



CHOICE OF MILLIONS®
SHERKOTTI
HARDWARE & PAINT TOOLS

www.charminarbrush.com

9440297101



NEW
BRY SHEETS

ABRASIVE RED MASALA PAPER



CHOICE OF MILLIONS®
SHERKOTTI
HARDWARE & PAINT TOOLS

www.charminarbrush.com

9440297101



PAINT TRAY

बिना झंपे हवा-हवाई बातें करते स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

मानव अंगों का अवैध धंधा रोकने में सरकार फेल

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अंगदान दिवस पर बड़े गौरव से कहा कि भारत ने अंग प्रत्यारोपण में शानदार उपलब्धि हासिल की है। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ने यह नहीं कहा कि इस तथाकथित शानदार उपलब्धि के बरक्स अंग प्रत्यारोपण का अवैध धंधा पूरे देश को ग्रसता जा रहा है। नड्डा यह जानते हैं कि अंग प्रत्यारोपण का अवैध धंधा नेताओं, नौकरशाहों, डॉक्टरों और दलालों के आपराधिक गठबंधन के कारण बहुत ही खतरनाक तरीके से फैल रहा है। इसी धंधे के कारण मानव तस्करी जैसा अमानवीय धंधा हो रहा, लेकिन सरकार उपलब्धियां गिनाने में लगी रहती है। नड्डा का स्वास्थ्य मंत्रालय मानव अंगों के अवैध प्रत्यारोपण पर अंकुश लगाने में पूरी तरह फेल है, लेकिन सार्जनिक मंचों पर गुणगान करने के अलावा नड्डा में सच स्वीकार करने का नैतिक बल नहीं है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा

ने कहा कि भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने की शानदार उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपण की तुलना में एक महत्वपूर्ण छलांग है। उन्होंने कहा कि अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, तथा केवल अमेरिका और चीन से पीछे है। नड्डा ने राष्ट्रीय अंग एवं उतक प्रत्यारोपण संगठन द्वारा 15वें भारतीय अंगदान दिवस के मौके पर कहा कि भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने की शानदार उपलब्धि हासिल की है। एक वर्ष में अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। उन्होंने अंगदानकर्ताओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि उनके निस्वार्थ कार्य ने समाज में कई लोगों के लिए दुख को आशा और क्षति को जीवन में बदल दिया है। नड्डा ने बड़े गौरव से कहा कि वर्ष 2013 में अंग प्रत्यारोपण 5,000 से भी कम था, जबकि महज 10 साल में



यह बढ़ कर 18,900 से अधिक हो गया। लेकिन इस बड़े हुए आंकड़े की सच्चाई बखान करने से नड्डा ने बड़ी चालाकी से परहेज कर लिया। स्वैच्छिक अंगदान के पीछे भी एक सुसंगठित सिंडिकेट काम कर रहा है और यह पूर्ण रूप से निः स्वार्थ सेवा का काम नहीं रह गया। इसके पीछे भी भयंकर धंधा चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने बड़े गौरव से कहा, अंग प्रत्यारोपण के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है। अब

प्रत्यारोपण के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाएं। बढ़ती मांग के साथ दाताओं की संख्या में कमी के कारण, इसके भयावह परिणाम सामने आ रहे हैं। हर साल तीन लाख से ज्यादा रोगियों की चौंका देने वाली प्रतीक्षा सूची और उम्मीद की किरण के बीच हर रोज कम से कम 20 लोगों की मौत, देश में अंगदान की भयावह तस्वीर पेश करती है, जिसे नड्डा जैसे स्वास्थ्य मंत्री सार्वजनिक मंच पर स्वीकार नहीं करते। अंग

मानव अंगों का धंधा चला रहे नेता, नौकरशाह, डॉक्टर और दलाल

क्षेत्र के अस्पतालों में किए गए। सालाना एक से दो लाख किडनी (गुर्दा) प्रत्यारोपण की अनुमानित आवश्यकता के बावजूद वर्ष 2019 से हर साल बहुत मुश्किल से 10,000 से कम किडनी प्रत्यारोपित की जा रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री यह समझते हुए भी समझना नहीं चाहते कि प्रत्यारोपण सेवाओं का यह असमान वितरण न केवल सामाजिक-आर्थिक विभाजन को गहरा करता है, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था को भी कायम रखता है जहां जीवन रक्षक उपचार तक पहुंच व्यक्ति की वित्तीय स्थिति पर निर्भर करती है। दुखद बात यह है कि इस असमानता से सबसे ज्यादा प्रभावित अक्सर वही लोग होते हैं जो निजी स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी ऊंची लागत वहन नहीं कर सकते।

अवैध अंग व्यापार का अभिशाप हमारे देश के सामने एक गंभीर चुनौती बन कर खड़ा है, जो हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर कालिख पोत रहा है। बंद दरवाजों के पीछे, अवैध

अंग प्रत्यारोपण रैकेट का एक भूमिगत नेटवर्क खतरनाक स्तर पर फल-फूल रहा है। यह धंधा खुलेआम कानून, नैतिकता और मानव अधिकार को ठेंगा दिखा रहा है। चिंताजनक बात यह है कि ऐसी नापाक गतिविधियों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, लेकिन सरकार इनके सामने नाकाम है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि जो मामले सामने आते हैं, वे एक बहुत बड़ी और अधिक घातक समस्या की सतह खरोंचने मात्र हैं।

अंगों के फलते-फूलते समानांतर अवैध बाजार से जाहिर है कि अंगों की खरीद के कानूनी रास्ते अत्यंत जटिल हैं जिसका फायदा अवैध धंधा करने वाले सफेदपोश उठा रहे हैं। डेटा रिपोर्टिंग में गंभीर कमियां, खास तौर पर अस्पतालों और राज्यों द्वारा राष्ट्रीय रजिस्ट्री में जानकारी की ऑनलाइन प्रविष्टि के संबंध में लचर रवैया अंग प्रत्यारोपण गतिविधियों की प्रभावी निगरानी और विनियमन के प्रयासों को कमजोर करता है।

तमिलनाडु की चुनावी प्रक्रिया में दखल दे रहे बिहारी



नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने तमिलनाडु में रहने वाले बिहारी प्रवासी मजदूरों को बाहरी बताकर उनके वोटर बनने के हक पर सवाल उठाए हैं। चिदंबरम ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग तमिलनाडु में 6.5 लाख प्रवासियों को वोटर लिस्ट में जोड़ रहा है, जो गैरकानूनी और खतरनाक है।

चिदंबरम की आपत्ति का निहितार्थ यह है कि वे तमिलनाडु में रहने वाले अन्य राज्य के लोगों के मतदाता सूची में शामिल किए जाने को गैरकानूनी और खतरनाक मानते हैं। चिदंबरम उसी पार्टी के नेता हैं, जिसके प्रिंस संविधान पॉकेट में लेकर घूमते हैं। चिदंबरम का यह संविधान विरोधी बयान राहुल गांधी को नहीं दिख रहा। इंडी गठबंधन पहले भी बिहारियों के खिलाफ नफरत भड़काकर वोट की राजनीति करता रहा है। चिदंबरम का यह बयान उसी पुरानी चाल का हिस्सा है, जिसे कांग्रेस और उसके सहयोगी चुपचाप बढ़ावा देते रहे हैं।

►10पर

बिहार में पुनरीक्षण के बाद संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी

बिहार की मतदाता सूची से हटे 65 लाख नाम

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर संसद में बहस की मांग



नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र राजनीतिक टकराव का केंद्र बन गया है। सरकार अपने विधायी कार्यों को आगे बढ़ाना चाहती है, लेकिन विपक्ष बिहार के मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बहस को लेकर अड़ा हुआ है।मानसून सत्र के दौरान संसद में लगातार गतिरोध के बीच केंद्र सरकार को लोकसभा में दो अहम विधेयकों- राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक और राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर सकती है। विपक्ष की तरफ से बिहार में चल रही विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चर्चा की मांग को सरकार की ओर से मंजूरी नहीं मिलने के कारण संसद में हंगामा जारी है। इस मुद्दे पर संसद की कार्यवाही बार-बार स्थगित हो रही है।विपक्षी दलों का आरोप है कि निर्वाचन आयोग (ईसी) की यह प्रक्रिया विपक्ष समर्थक मतदाताओं के नाम सूची से हटाने और एनडीए (भाजपा गठबंधन) के पक्ष में चुनावी फायदा पहुंचाने

►10पर

के. कविता ने पार्टी के वरिष्ठ नेता को कहा षडयंत्रकारी फिर सतह पर बीआरएस की अंदरूनी कलह



हालांकि, कविता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह टिप्पणियां किस तरह की थीं। उन्होंने कहा कि पार्टी के अन्य नेताओं की चुप्पी काफी कण्ठ कहती है। उन्होंने कहा, जब मेरे खिलाफ गलत बातें बोली गईं, तब पूरे तेलंगाना को बुरा लगा। लोगों ने इस पर प्रतिक्रिया भी दी। लेकिन किसी कारणवश, मेरी ही पार्टी बीआरएस के भाई चुप रहे। कविता ने दावा किया कि उनके पास पक्की जानकारी है कि पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने जानबूझकर यह सब कराया। उन्होंने कहा, साजिश करने वाले ये सोचते हैं कि वे मेरे समर्थकों के बीच अपने लोग घुसाकर मेरी जानकारी जुटा लेंगे। लेकिन उन्हें यह जानना चाहिए कि मुझे भी पार्टी के अंदर की बातें पता हैं।

उन्होंने कहा, मुझे पता है आपने किससे मुलाकात की, किसे मेरे खिलाफ बोलने को उकसाया और एक महिला को निशाना बनाने के लिए आप कितने नीचे गिर गए। मैं यह सब देख रही हूं। बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी कविता ने कहा कि वह कर्म में विश्वास रखती हैं और जो लोग उन्हें निशाना बना रहे हैं, उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। कविता ने पार्टी के ही एक छोटे कद के नेता पर हमला

हैदराबाद, 03 अगस्त (एजेंसियां)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और एमएलसी के. कविता ने रविवार को आरोप लगाया कि उनके खिलाफ की गई अनुचित टिप्पणियों के पीछे उनकी ही पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का हाथ है। उनके इस बयान से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के भीतर चल रही आपसी खींचतान एक बार फिर चर्चा में आ गई है।

मालेगांव विस्फोट मामले में बरी हुए पूर्व सेनाधिकारी कर्नल पुरोहित का पुणे में जोरदार स्वागत



पुणे, 03 अगस्त (एजेंसियां)। मालेगांव विस्फोट मामले में बरी हुए कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित का रविवार को पुणे में जोरदार स्वागत हुआ। लोगों ने कर्नल पुरोहित पर फूल बरसाए और ढोल नगाड़ों की धुन पर जमकर झुमे। ढोल-नगाड़ों की थाप और पुष्प वर्षा के बीच लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित अपनी पत्नी के साथ खुली जीप में सवार होकर जुलूस के साथ शांतिशीला हाउसिंग सोसाइटी स्थित अपने घर पहुंचे। जुलूस में शामिल लोगों ने पुरोहित के बरी होने पर जय श्री राम और सनातन धर्म की जय के नारे लगाए। पुरोहित की सोसाइटी के लोग भी फूल लेकर उनका स्वागत करने आए और भगवा झंडे लहराए।

जुलूस के दौरान कर्नल पुरोहित ने कहा, लोग हमेशा मेरा स्वागत करना चाहते थे। लेकिन मैंने कहा था कि जब तक मैं इस मामले से पूरी तरह बरी नहीं हो जाता, मैं आपको उस तरह की खुशी नहीं दे पाऊंगा। इस बार जब अदालत ने फैसला सुनाया तो लोगों ने कहा कि वे मेरा स्वागत करेंगे। मेरा यह कहने का कोई मन नहीं था कि मैं इसमें शामिल नहीं हो पाऊंगा। मैं लोगों का आभारी हूं। पुरोहित ने कहा, मुझे बेहद खुशी है कि मेरा इतना भव्य स्वागत किया गया। मेरा पूरा परिवार इस स्थान पर मेरा इंतजार कर रहा है। मेरा पूरा परिवार यहां आया है। मैं यहीं पला-बढ़ा हूं। सभी लोग मुझसे मिलने यहां आए हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित के एक कॉलेज मित्र ने कहा कि उन्हें 17 साल बाद न्याय मिला है। उन्हें झूठे मामले में फसाया गया था।

हैदराबाद की अदालत के आदेश पर मंत्री के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज



हैदराबाद, 03 अगस्त (एजेंसियां)। हैदराबाद की नामपल्ली अदालत ने तेलंगाना सरकार की मंत्री कोंडा सुरेखा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। यह मुकदमा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मंत्री केटी रामाराव की मानहानि की शिकायत पर दर्ज किया गया है। नामपल्ली कोर्ट ने केटीआर की शिकायत के बाद इस मामले में पर्याप्त प्रारंभिक सबूतों की समीक्षा के बाद, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356 के तहत मामला दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने निर्देश दिया है कि आपराधिक मामला दर्ज किया जाए और 21 अगस्त तक मंत्री सुरेखा को नोटिस दिया जाए। मानहानि का यह मामला पिछले साल अक्टूबर का है, जब मंत्री कोंडा सुरेखा द्वारा केटीआर को लेकर एक विवादास्पद टिप्पणी की गई थी।

कोंडा सुरेखा ने फिल्म अभिनेत्री सामंथा और अभिनेता नागा चैतन्य के तलाक के लिए पूर्व मंत्री केटीआर को जिम्मेदार ठहराया था। इसके अलावा भी कई अन्य निराधार आरोप लगाए थे। केटीआर के वकील ने तर्क दिया कि ये बयान निराधार थे और दुर्भावना से दिए गए थे। इन बयानों से केटीआर की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

कोंडा सुरेखा की कानूनी टीम ने शिकायत के न्यायाधिकार और स्वीकार्यता को लेकर आपत्ति जताई, लेकिन अदालत ने उनकी आपत्ति को खारिज कर दिया। अदालत ने उच्च न्यायालय के एक पूर्व निर्देश का हवाला दिया जिसमें मामले पर सुनवाई करने के न्यायालय के अधिकार की पुष्टि की गई थी।



न्यूज़ ब्रीफ

मेडिकल साइंस का चमत्कार! 1994 में जमाए गए भ्रूण से पैदा हुआ सबसे बुजुर्ग बच्चा

वाशिंगटन। हाल ही में एक मामला सामने आया है, इस मामले ने चिकित्सा जगत को चौंका दिया है। एक 30



साल पुराने फ़ोजन एम्ब्रियो (जमे हुए भ्रूण) से स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ है। यह घटना सच में किसी साइंस-फिक्शन फिल्म जैसी लगती है, लेकिन यह सच्चाई है। दरअसल जब किसी महिला और पुरुष के अंडाणु और शुक्राणु को आईवीएफ तकनीक से मिलाकर भ्रूण बनाया जाता है, भविष्य में उपयोग के लिए जमा किया जा सकता है। ये भ्रूण -196 सेल्युस तापमान पर संग्रहित किए जाते हैं। सामान्यतः इन्हें 5-10 साल में उपयोग कर लिया जाता है, लेकिन अब तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि कई दशकों बाद भी भ्रूण जीवित रहता है। अमेरिका में एक कपल ने ओहायो निवासी लिंडसे और टिम पियर्स ने 1994 में जमा किए गए भ्रूण को अपनाया और आईवीएफ प्रक्रिया के जरिए उसे गर्भ में प्रत्यारोपित किया। इस भ्रूण को लिंडसे के गर्भाशय में नवंबर 2024 में प्रत्यारोपित किया गया। 30 साल बाद, जब वह भ्रूण मां के गर्भ में पनपा, तब एक स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि यह सबसे लंबे समय तक संरक्षित भ्रूण से जन्म लेने वाला बच्चा है। दिलचस्प बात यह है कि बच्चे की जैविक बहन अब 30 साल की है और उसकी खुद की एक 10 वर्षीय बेटी भी है। 30 साल तक भ्रूण को सुरक्षित रखना और फिर सफलतापूर्वक जन्म दिलाता आईवीएफ और क्रायोप्रीजर्वेशन (भ्रूण को जमाकर रखने की तकनीक) की शानदार उपलब्धि है। यह मामला न सिर्फ एक चमत्कार है, बल्कि यह भी दिखाता है कि मेडिकल साइंस ने भविष्य को बदलने की ताकत हासिल कर ली है।

पाकिस्तान में आधी रात को आया जलजला, इस्लामाबाद समेत कई इलाकों में महसूस हुए झटके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शनिवार और रविवार की आधी रात को भूकंप के झटकों ने लोगों को



दहशत में डाल दिया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.8 मापी गई है। भारतीय समयानुसार यह भूकंप रात 12:40 बजे आया, जिसका केंद्र राजधानी इस्लामाबाद के पास रहा। राष्ट्रीय भूकंपीय केंद्र के अनुसार, भूकंप की गहराई करीब 10 किलोमीटर थी। शनिवार को भी आया था तेज भूकंप पाकिस्तान में आए इस भूकंप से अब तक किसी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली है, लेकिन रात में अवानक आए झटकों से लोग घरों से बाहर निकल आए और घबराहट का माहौल देखा गया। यह भूकंप शनिवार को आए 5.4 तीव्रता के झटकों के कुछ ही घंटों बाद दर्ज किया गया। शनिवार के भूकंप का असर खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और इस्लामाबाद सहित कई इलाकों में महसूस किया गया था। उस वक़्त भी किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन नागरिकों में भय का वातावरण बन गया था। विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान एक सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है। यह इलाका यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों के संगम पर स्थित है, जिससे यहां अक्सर भूकंप आने की आशंका बनी रहती है। खैबर पख्तूनख्वा, गिलगित-बाल्टिस्तान और बलूचिस्तान जैसे क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं क्योंकि ये प्रमुख धंश रेखाओं के करीब स्थित हैं। इसके अलावा पंजाब और सिंध जैसे इलाकों पर भी भूकंप के झटकों का जोखिम बना रहता है। भूकंप विज्ञानियों ने आगे भी झटके महसूस होने की आशंका जाहिर करते हुए नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

नहीं रुकेगी जंग- हमาส ने फिर धमकाया कहा फिलिस्तीन की आजादी तक इजरायल से लड़ेंगे



गाजा। इजरायल और हमาส के बीच चल रहे युद्ध में शांति के दरवाजे एक बार फिर बंद होते नजर आ रहे हैं। इजरायल की तरफ से 60 दिन के सीजफायर के दिए गए प्रस्ताव को हमाम ने टुकटुकें हुए कहा कि जब तक फिलिस्तीन आजाद नहीं हो जाता है तब, तक ये जंग जारी रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक हमाम ने बयान जारी करके कहा, वह सशस्त्र प्रतिरोध के अधिकार को तब तक नहीं छोड़ सकता जब तक कि यरुशलम को अपनी राजधानी के रूप में एक स्वतंत्र, पूर्ण संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य न बन जाए। हमाम की तरफ से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जबकि कतर, फ्रांस और मिस्त्र की मध्यस्थता में कुछ दिन पहले ही शांति प्रस्ताव को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत समाप्त हुई है।

नेपाल में पांच विधेयकों को लेकर सत्तारूढ़ के घटक दलों में ही मतभेद बढ़े

काठमांडू,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

नेपाल के सत्तारूढ़ घटक दलों नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के बीच मतभेद बढ़ता जा रहा है। इसी कारण अब तक संसद में भूमि विधेयक, शिक्षा विधेयक, सिविल सर्विस विधेयक, एंटी करप्शन ब्यूरो संबंधी विधेयक और संवैधानिक परिषद संबंधी विधेयक पास होने के इन्तजार में महीनों से लटके हैं।

भूमि विधेयक को लेकर जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने तो सरकार से समर्थन ही वापस ले लिया है। अब इस विधेयक को लेकर नेपाली कांग्रेस ने भी सरकार के प्रस्तावित विधेयक का विरोध किया है। पार्टी के महामंत्री गगन थापा ने कहा है कि भूमि संबंधी विधेयक में कुछ संशोधन से काम नहीं चलने वाला है, इसलिए इसके पुनर्लेखन की ही आवश्यकता है।

कांग्रेस के इस रुख का विरोध करते हुए यूएमएल संसदीय दल के प्रमुख सचेतक महेश बरतौला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह रुख गठबंधन के धर्म के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पार्टी के महामंत्री होकर गगन थापा को इस विषय पर सार्वजनिक बयान देने के बजाए उन्हें गठबंधन की बैठक में यह बात रखनी चाहिए।

संसद के दोनों सदनों से भूमि विधेयक के पारित होने के बाद भी राष्ट्रपति ने आपत्ति दर्ज करते हुए वापस कर दिया नेपाली कांग्रेस ने राष्ट्रपति के इस कदम का समर्थन किया है, तो यूएमएल ने इसका विरोध किया है। शनिवार को ही प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर इस संबंध में चर्चा की थी।

इसी तरह लंबे समय से संसद में विचाराधीन शिक्षा विधेयक को लेकर सत्ता के साझेदार दोनों दलों में मतभेद अब खुल कर सामने आ गए हैं। यूएमएल ने इस विधेयक का समर्थन किया है, जबकि नेपाली कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। इसी कारण इस विधेयक पर सदन में चर्चा नहीं हो पा रही है।

ऐसे ही एंटी करप्शन ब्यूरो से संबंधित

विधेयक और सिविल सर्विस से संबंधित विधेयक को लेकर भी दोनों दलों के बीच मतभेद है। सिविल सर्विस विधेयक को लेकर गठबंधन दलों के बीच जनसहमति बनी थी। उसके विपरीत यूएमएल के संसदों ने इसके प्रावधान को ही बदल दिया, जिसको लेकर संयुक्त संसदीय जांच समिति का गठन किया गया है।

गठबंधन दल के बीच हुई सहमति के उलट यूएमएल के सांसदों की तरफ से इसमें संशोधन का प्रस्ताव रखने से नेपाली कांग्रेस सवाल खड़े कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला ने कहा कि यूएमएल की तरफ से इस गठबंधन को तोड़ने के लिए माहौल तैयार किया जा रहा है।

बलूचों ने कहा- ये क्षेत्र बिकाऊ नहीं हैं अमेरिका को एक बूंद भी तेल नहीं देंगे

इस्लामाबाद,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिका और पाकिस्तान के बीच हुई तेल वाली झील को लेकर बलूचिस्तान के नेताओं ने अमेरिका के राष्ट्रपति को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि इस क्षेत्र के पूरे प्राकृतिक संसाधन पाकिस्तान के नहीं बल्कि एक स्वतंत्र राष्ट्र बलूचिस्तान के अंतर्गत आते हैं, जो कि फिलहाल पाकिस्तान के कब्जे में हैं। मीर यार ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि यह क्षेत्र बिकाऊ नहीं है और यहां पर पाकिस्तान, चीन या किसी अन्य देश द्वारा हमारे संसाधनों के दोहन को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर ट्रेंप को लिखे एक खुले खत में मीर यार ने असीम मुनीर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने ट्रेंप को संबोधित करते हुए लिखा, इस क्षेत्र के विशाल तेल और खनिज भंडारों को लेकर आपको (ट्रेंप) पूरी तरह से पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने गुमराह किया है। मैं आपको और आपके प्रशासन को यह सूचित कर देना चाहता हूँ कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व और जनरल असीम मुनीर ने आपको यहां के भूगोल के बारे में जो जानकारी दी है, वह पूरी तरह से गलत है। आपको गुमराह किया जा रहा है। बता दें मीर यार बलूच की तरफ से ट्रेंप के नाम यह खत ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रेंप ने भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के चलते पाकिस्तान के साथ तेल को लेकर व्यापारिक समझौता किया है। ट्रेंप का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ मिलकर उसके क्षेत्र में तेल की खोज करेंगे। दोनों देशों की खोज का मुख्य क्षेत्र बलूचिस्तान वाला जमीनी हिस्सा और समुद्री सीमा में ही होगा। ऐसे में बलूच नेताओं की चिंता जायज है। बलूच नेताओं की चेतावनी को हल्के में इसलिए भी नहीं लिया जा सकता क्योंकि इस क्षेत्र में चीन की मौजूदगी का वह बहुत लंबे समय से मुकाबला कर रहे हैं। इस मुकाबले में चीन और पाकिस्तान दोनों के काफी संसाधन खर्च हुए हैं और लोगों की जान गई है। ये जमीन बलूचिस्तान गणराज्य मीर यार ने पाकिस्तान के सैन्य प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरा यह क्षेत्र पाकिस्तान को अस्थायी जमीन यानी पंजाब में नहीं आता है। बल्कि बलूचिस्तान गणराज्य का हिस्सा है, जो कि पाकिस्तान के कब्जे में है। उन्होंने लिखा, तेल, प्राकृतिक गैस, तांबा, लिथियम, यूरेनियम और दुर्लभ मृदा खनिजों के ये भंडार पंजाब का हिस्सा नहीं है।



भूकंप ने दुनिया का ध्यान फिर से रिंग ऑफ फायर की ओर खींचा

लंदन। हाल ही रूस के कमचटका प्रायद्वीप के पास 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने पूरी दुनिया का ध्यान एक बार फिर से रिंग ऑफ फायर की ओर खींचा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, इसका केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामवात्स्क शहर से 136 किलोमीटर दूर स्थित था। इस शक्तिशाली भूकंप के तुरंत बाद जापान, अमेरिका के हवाई द्वीप और प्रशांत महासागर क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई। हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कई तटीय इलाकों से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कामचटका में समुद्र की लहरें 10 से 13 फीट तक ऊंची उठीं, जापान के होक्काइडो में 2.8 फीट और अलास्का के अल्यूशियन द्वीपों में 1.4 फीट ऊंची लहरें दर्ज की गईं। इस भूकंप के बाद 20 से अधिक देशों में सुनामी की आशंका जताई गई है और अफगानिस्तान की माहौल है। दरअसल, इन सभी देशों की एक खास भौगोलिक स्थिति है। ये रिंग ऑफ फायर नामक एक वलयकार क्षेत्र में स्थित हैं, जो प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला हुआ है। रिंग ऑफ फायर, जिसे सर्वक-पैसिफिक बेल्ट भी कहा जाता है, दुनिया का सबसे सक्रिय भूकंपीय और ज्वालामुखीय क्षेत्र है। यह क्षेत्र कई बड़ी टेक्टोनिक प्लेट्स जैसे कि प्रशांत प्लेट, नाजका प्लेट, फिलीपींस प्लेट और भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट के बीच स्थित है। इन प्लेटों की सतत टकराव की वजह से यहां बार-बार भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, दुनिया के 90प्रतिशत भूकंप और 75 प्रतिशत सक्रिय ज्वालामुखी इसी क्षेत्र में आते हैं। जापान का माउंट फुजी, इंडोनेशिया का क्रकटोआ, और अमेरिका का माउंट सेंट हेलेंस इसी क्षेत्र के हिस्से हैं। रिंग ऑफ फायर का आकार घोंड़े की नाल जैसा है, जो दक्षिण अमेरिका के चिली से शुरू होकर पेरू, इक्वाडोर, कोस्टा रिका, मेक्सिको, अमेरिका, कनाडा, अलास्का, रूस, जापान, फिलीपींस, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया तक फैला है।

दुनिया की सबसे छोटी फ्लाइट: सिर्फ 47 सेकंड की उड़ान, टिकट 4200 रुपये



अगर आप सोचते हैं कि फ्लाइट का मतलब घंटों का सफर और लंबी इन-फ्लाइट सर्विस होती है, तो स्कॉटलैंड की ये फ्लाइट आपको सोच बदल देगी। दुनिया की सबसे छोटी व्यावसायिक उड़ान स्कॉटलैंड के ओर्कनी द्वीप समूह में वेस्ट्रे और पापा वेस्ट्रे के बीच चलती है, जिसकी कुल दूरी सिर्फ 2.7 किलोमीटर है। अच्छी हवाओं के साथ यह उड़ान सिर्फ 47 सेकंड में पूरी हो जाती है, जबकि इसका आधिकारिक समय मात्र दो मिनट है। इस फ्लाइट की खास बात यह है कि इसमें चढ़ने और उतरने में इतना कम समय लगता है कि यात्रियों को फ्लाइट का अनुभव ही नहीं हो पाता। न इन-फ्लाइट सर्विस है और न ही कोई बड़ी प्रक्रिया। फिर भी इस छोटी सी यात्रा का एक तरफ का किराया करीब 4200 रुपये है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रूट का उपयोग मुख्य रूप से स्थानीय लोग करते हैं। लगभग 30 फीसदी यात्री ओर्कनी आइलैंड कार्सिल की शिक्षा सेवा से जुड़े होते हैं, जिनमें शिक्षक और छात्र शामिल हैं। इसके अलावा, स्कॉटिश नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) से जुड़े स्वास्थ्यकर्मी और मरीज भी इस फ्लाइट का इस्तेमाल करते हैं। यह उनके लिए तेज और सुविधाजनक परिवहन का साधन है। पापा वेस्ट्रे की विशेषताएं पापा वेस्ट्रे आइलैंड पर 70 से अधिक लोग रहते हैं। यह द्वीप 60 से अधिक पुरातात्विक स्थलों का घर भी है, जिसमें शिक्षक और छात्र शामिल हैं। इसके अलावा, स्कॉटिश नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) से जुड़े स्वास्थ्यकर्मी और मरीज भी इस फ्लाइट का इस्तेमाल करते हैं। यह उनके लिए तेज और सुविधाजनक परिवहन का साधन है। पापा वेस्ट्रे की विशेषताएं पापा वेस्ट्रे आइलैंड पर 70 से अधिक लोग रहते हैं। यह द्वीप 60 से अधिक पुरातात्विक स्थलों का घर भी है, जिनमें शिक्षक और छात्र शामिल हैं। इसके अलावा, स्कॉटिश नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) से जुड़े स्वास्थ्यकर्मी और मरीज भी इस फ्लाइट का इस्तेमाल करते हैं। यह उनके लिए तेज और सुविधाजनक परिवहन का साधन है।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड नशे की तरह ले रहे अपनी गिरफ्त में

लंदन,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स धीरे-धीरे लोगों को नशे की तरह अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। ताजा अध्ययन में 36 देशों की करीब 300 रिसर्च का विश्लेषण किया गया, जिससे पता चला कि ये प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ दिमाग पर वैसा ही प्रभाव डालते हैं जैसा शराब या कोकीन जैसी ड्रग्स खालती हैं। शोध की मुख्य लेखिका एशले गियरहार्ट ने बताया कि किसी को सेब या दाल-चावल की लत नहीं लगती, लेकिन अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे हमारे दिमाग को तेजी से उत्तेजित करें और बार-बार खाने की इच्छा पैदा करें। यह प्रक्रिया उस हिस्से को एक्टिव करती है जो हमें खुशी या इनाम का अनुभव कराता है, यही कारण है कि लोग जानबूझकर भी इनसे दूरी नहीं बना पाते। न्यूरोइमेजिंग, यानी



दिमाग की स्कैनिंग, से भी पुष्टि हुई कि जो लोग इन चीजों का अत्यधिक सेवन करते हैं, उनके दिमाग में वही बदलाव दिखते हैं जैसे किसी नशे की लत वाले व्यक्ति में होते हैं। इससे यह साफ होता है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड दिमागी और

न्यूरोलॉजिकल प्रकृति समान है। इस शोध में शामिल दूसरी लेखिका एरिका ला. फाटा ने सवाल उठाया कि जब नाइट्स ऑक्साइड और कैफीन जैसी चीजों को मानसिक विकास की सूची में शामिल कर लिया गया है, तो प्रोसेस्ड फूड की लत को अब तक क्यों नजरअंदाज किया गया है। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य नीतियों में बदलाव लाकर इस लत को गंभीरता से पहचाना जाए। इसके लिए सरकारों, डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों को मिलकर काम करना चाहिए, साथ ही बच्चों के लिए इन खाद्य पदार्थों के विषाइन पर प्रतिबंध, चेतावनी लेबल और व्यापक जागरूकता अभियान चलाने जैसे कदम उठाए जाने चाहिए।

काठमांडू,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत नेपाल में चावल की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को मजबूत करने के लिए एक परियोजना शुरू की है। नेपाल में यह परियोजना 12 महीनों के भीतर तीन चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में आवश्यकताओं का मूल्यांकन और हितधारकों की भागीदारी शामिल होगी। दूसरे चरण में नेपाली अधिकारियों के लिए भारत की अध्ययन यात्रा, व्यावहारिक प्रदर्शन और विशेषज्ञ ब्रीफिंग की पेशकश शामिल होगी। अंतिम चरण में कार्य योजना तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

काठमांडू में भारतीय दूतावास ने एक बयान में बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के साथ ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाकर नेपाल की मजबूत चावल आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करना है। यह पहल प्रभावी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग को भी बढ़ावा



देगी। दूतावास ने कहा कि परियोजना के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में लाभार्थी प्रबंधन, भंडारण, वितरण मॉडल, निगरानी, मूल्यांकन प्रणाली और शिकायत निवारण तंत्र शामिल हैं।

यह पहल भारतीय विदेश मंत्रालय ने 01 अगस्त को नई दिल्ली में शुरू की

थी। इसकी घोषणा पहली बार सितंबर, 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के दौरान की गई थी। इस परियोजना के तहत प्रशिक्षण भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

बिगड़े हालात- पंगु हुई अमेरिकी कंपनियां, बढ़ गई बेरोजगारी की तादात

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप दूसरे देशों पर टैरिफ लगाकर अमेरिका को महान बनाने चले हैं, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ता नजर आ रहा है। जुलाई में अमेरिका में केवल 73,000 नई नौकरियां ही जुड़ सकीं, जो उम्मीदों से कहीं कम है। इससे भी ज्यादा चौंका देने वाली बात यह है कि मई और जून के आंकड़ों की भी संशोधित कर कुल 2.58 लाख नौकरियों की कटौती की गई है। यह स्थिति संकेत देती है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था गहरे संकट की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी श्रम बाजार के जुलाई 2025 के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि टैरिफ देश में गंभीर रोजगार संकट पैदा कर रहा है और इससे कंपनियां पंगु बन गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, मई में अनुमानित 1.44 लाख नई नौकरियों के आंकड़े को घटाकर केवल 19,000 कर दिया गया है, जबकि जून की 1.47 लाख नौकरियों को घटाकर मात्र 14,000 कर दिया गया। दोनों महीनों के आंकड़ों में कुल मिलाकर 2.58 लाख नौकरियों की गिरावट दर्ज की गई। कंपीएमजी की प्रमुख अर्थशास्त्री डायन स्वीन ने इस बदलाव को 'रखब कराने वाला' करार दिया। उनका कहना है कि अमेरिका का श्रम बाजार अब ठहराव की स्थिति में पहुंच चुका है।

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एएसिया)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से अलग-अलग मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट पर सचश्री मोदी और शाह के साथ श्रिती मुर्मू की है। अलग अलग मुलाकात के बारे में जानकारी दी गई है। सोशल मीडिया पोस्ट में मुलाकात की तस्वीर भी साझा की गई है।



फ्रेंडशिप डे: सुख हो या दुख, कभी नहीं छोड़ा एक-दूजे का साथ रियल लाइफ में बेस्ट फ्रेंड हैं ये अभिनेत्रियां

दोस्ती वो खूबसूरत रिश्ता है, जो बिना शर्तों के दिलों को जोड़ता है। फ्रेंडशिप डे के मौके पर बॉलीवुड की चमकती दुनिया में कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिनकी रियल लाइफ दोस्ती एक मिसाल है। चाहे वो वेकेशन पर साथ जाना हो, एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होना हो या सोशल मीडिया पर मस्ती भरे पल साझा करना हो, इन अभिनेत्रियों ने जता दिया कि दोस्ती वाकई कमाल का रिश्ता है!

इस लिस्ट में दिशा पटानी-मौनी रॉय, करीना कपूर खान-करिश्मा और मलाइका-अमृता अरोड़ा, सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर, सुजैन खान और सोनाली बेंद्रे, हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा के साथ ही नेहा धूपिया और सोहा अली खान का भी नाम शामिल है।

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन्स का नाम लें तो उसमें दिशा पटानी और मौनी रॉय का नाम जरूर आएगा। मगर बात केवल एक्टिंग और फिटनेस की नहीं है, उनकी दोस्ती ग्लैमर और फिटनेस का परफेक्ट मिश्रण है। एक इंटरव्यू में मौनी ने बताया था कि दिशा दिल की बहुत ही अच्छी इंसान हैं और वे 'सोल सिस्टर्स' की तरह हैं। दोनों अक्सर वेकेशन पर एक साथ नजर आती हैं, जहां उनकी मस्ती और बॉन्डिंग फैस को खूब पसंद आती है। जिम में पसीना बहाने से लेकर बीच पर मस्ती तक, इनकी दोस्ती हर पल को खास बनाती है। दिशा और मौनी सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए प्यार भरे मैसेज भी शेयर करती हैं।

अरोड़ा और कपूर सिस्टर्स अक्सर एक-दूजे के साथ खड़ी रहती हैं। करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा की दोस्ती बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक दोस्ती में से एक है। ये गर्ल गैंग हर पार्टी और वेकेशन में धूम मचाती है। योग सेशन्स



से लेकर ग्लैमरस नाइट्स तक, ये एक-दूसरे के हर सुख-दुख में साथ नजर आती हैं। करिश्मा के पूर्व पति का निधन हो, मलाइका के पिता का निधन हो या करीना के पति सैफ पर चाकू से हमला हो, ये हमेशा एक-दूजे के सुख-दुख में साथ खड़ी दिखीं।

सुहाना खान, अनन्या पांडे, और शनाया कपूर नई पीढ़ी की स्टार्स हैं। ये तीनों अक्सर एक साथ आउटिंग और पार्टियों में स्पॉट होती हैं। सोशल मीडिया पर इनके फोटोज और मस्ती भरे वीडियोज फैस को खूब पसंद आते हैं। ये दोस्ती न सिर्फ ग्लैमरस है, बल्कि एक-दूसरे के करियर को सपोर्ट करने की मिसाल भी है। तीनों अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी बेस्टी का समर्थन करती नजर आती हैं।

तीनों बचपन की दोस्त हैं।

हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा की दोस्ती साल 2017 से शुरू हुई और आज ये बॉलीवुड की सबसे मजबूत दोस्ती में से एक है। सोनाक्षी की शादी में हुमा का हर फंक्शन में सक्रिय रहना उनकी गहरी दोस्ती का सबूत है। दोनों की केमिस्ट्री ऑन और ऑफ-स्क्रीन भी अक्सर देखने को मिलती है। सोनाक्षी सिन्हा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पहली मुलाकात में हुमा उन्हें बहुत चपे लगी थीं। वह बहुत बात कर रही थीं। हालांकि, धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती का रंग गाढ़ा होता गया।

सुजैन खान, सोनाली बेंद्रे और गायत्री ओबेरॉय के बीच भी दोस्ती का बेहद खूबसूरत रिश्ता है। सुजैन और सोनाली अक्सर साथ में इवेंट्स में

नजर आती हैं, जहां उनकी बॉन्डिंग साफ झलकती है। कैसर से जंग लड़ने वाली सोनाली की हेल्थ जर्नी में सुजैन और गायत्री का साथ इस दोस्ती की गहराई को दिखाता है। सुजैन और गायत्री, सोनाली से मिलने के लिए अक्सर न्यूयॉर्क जाया करती थीं, जहां वे उनका हिम्मत बढ़ाती थीं। एक भावुक पोस्ट में सोनाली ने दोनों को दोस्ती का सही अर्थ बताने के लिए आभार भी जताया था।

नेहा धूपिया और सोहा अली खान भी खास दोस्त हैं। दोनों एक-दूसरे के करियर और निजी जिंदगी में मजबूत सपोर्ट सिस्टम की तरह हैं।

लारा दत्ता ने दिखाया फैमिली लव! पति और बेटी संग खूबसूरत यादें की पोस्ट

अभिनेत्री लारा दत्ता ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने करीबियों, दोस्तों और परिवार के साथ खूबसूरत समय बिताया। पूर्व मिस यूनिवर्स लारा दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरों पोस्ट कीं, जिसमें वह पति महेश भूपति और बेटी सायरा के साथ नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में लारा और महेश एक-दूसरे को प्यार से देख रहे हैं। इसके बाद दूसरी तस्वीर में वह बेटी साइरा और पति के साथ सुंदर जगह पर पोज देती नजर आ रही हैं। इसके अलावा वह एक हॉल में सोफे पर पोज देती हुई और कैफे में कॉफी का आनंद लेते हुए भी नजर आ रही हैं। उन्होंने एक खूबसूरत टेबल की झलक भी दिखाई, जिस पर स्वादिष्ट केक और फूल रखे थे।

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, जुलाई का महीना मेरे लिए बेहद खास है, कई प्यारे लोगों से मुलाकात की, दोस्तों और परिवार के साथ खूबसूरत समय बिताया। लेकिन दूसरी ओर, लारा के लिए यह साल दुखों से भरा भी रहा। क्योंकि उनके पिता रिटायर्ड विंग कमांडर एल.के. दत्ता का 31 मई को मुंबई में 84 साल की उम्र में निधन हो गया।

अपने दिवंगत पिता के साथ कुछ यादगार पलों को याद करते हुए, लारा ने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट लिखा, कुछ पल मेरे पिता के साथ ऐसे हैं जो हमेशा मेरे साथ हमेशा रहेंगे, जब वो मुझे बचपन में कंधों पर बिठाकर रात को तारों को



दो दुनिया की खिलाड़ी आकांक्षा सिंह जानें फिजियोथेरेपिस्ट से कैसे बनीं एक्ट्रेस?

फिल्मों और टीवी की चकाचौंध से भरी दुनिया में नाम कमाना आसान नहीं होता है। अगर कोई इंसान एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग क्षेत्रों में कामयाबी पाए, तो वह वाकई खास होता है। अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ऐसी ही एक मिसाल हैं। आज वह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनय में सफलता पाने से पहले आकांक्षा एक प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट रही हैं। आकांक्षा का जन्म 30 जुलाई 1990 को राजस्थान के जयपुर में हुआ था। उनकी मां खुद एक थिएटर कलाकार थीं, जिससे घर का माहौल कला से जुड़ा था। यही वजह रही कि आकांक्षा को बचपन से ही मंच और अभिनय से लगाव हो गया। उन्होंने पहले पढ़ाई पर ध्यान दिया और फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल की। इस पढ़ाई के दौरान उन्होंने शरीर, इलाज और देखभाल के बारे में गहराई से सीखा। इस दौरान उन्होंने थिएटर करना जारी रखा।

साल 2012 में उन्हें टीवी शो 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा' का ऑफर मिला और इस शो के जरिए उन्होंने छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। आकांक्षा ने इस शो में दो बच्चों की मां और विधवा 'मेधा व्यास भटनागर' का किरदार निभाया, जो भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इस भूमिका को इतनी सादगी और गहराई से निभाया कि दर्शक उनके कायल हो गए। इस किरदार के लिए उन्हें 'इंडियन टेली अवार्ड्स' भी मिला। टीवी पर सफल शुरुआत के बाद, वह 2015 में होटल इंडस्ट्री पर आधारित शो 'गुलमोहर ग्रैंड' में 'अनाहिता मेहता फर्नांडीज' के रोल में दिखीं। इसके बाद, 2016 में 'बॉक्स क्रिकेट लीग' में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल हुईं और 2017 में 'ऐ जिंदगी' के एक एपिसोड में वकील की भूमिका निभाईं।

आकांक्षा ने फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई। 2017 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' से फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें वह किरण कक्कर के छोटे लेकिन असरदार रोल में नजर आईं। उसी साल तेलुगु फिल्म 'मल्ली रावा' से उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उनके अभिनय को खूब सराहा गया। साल 2018 में उन्होंने नागार्जुन के साथ तेलुगु फिल्म 'देवदास' में काम किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आई। उसी साल वह दो शॉर्ट फिल्मों 'मेथी के लड्डू' और 'कैद' में भी नजर आईं। 2019 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'पैलवान' में सुदीप के साथ अभिनय किया, जो कई भाषाओं में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। ओटीटी पर भी आकांक्षा ने खुद को साबित किया। उन्होंने 2021 में डिज्नी प्लस

हॉटस्टार की वेब सीरीज 'परंपरा' से ओटीटी डेब्यू किया और फिर 2022 में 'एस्केप लाइव' में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभाई। उसी साल उन्होंने 'रंगबाज: डर की राजनीति' और तेलुगु एंथोलॉजी 'मीट क्यूट' में भी दमदार उपस्थिति दर्ज की। 2022 की ही फिल्म 'रनवे 34' में उन्होंने अजय देवगन की पत्नी समायरा खन्ना का किरदार निभाया, जो उनकी दूसरी बड़ी हिंदी फिल्म थी। आकांक्षा ने तमिल और तेलुगु की द्विभाषी फिल्म 'ब्लैप', तमिल फिल्म 'वीरपांडियापुरम', और तेलुगु फिल्म 'सिवुडु' में भी अभिनय किया। 2024 और 2025 में वह 'रणनीति: बालाकोट एंड बियांड', 'बेंच लाइफ', 'षष्ठीपूर्ति', और 'खाकी: बंगाल चैप्टर' जैसी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। फिजियोथेरेपिस्ट से अभिनेत्री बनी आकांक्षा सिंह हिंदी, तेलुगु, तमिल, और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में एक भरोसेमंद चेहरा बन चुकी हैं।

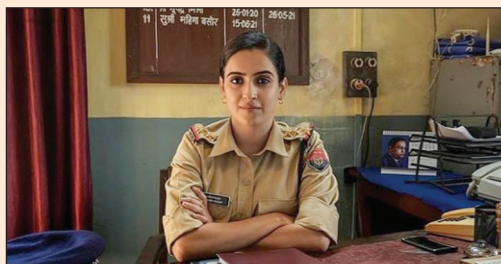
फिल्म का

हिंदी फि

मिलने प

बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ

प्रतिभाशाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी प्रशंसित फिल्म 'कटहल: अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को इस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का खिताब दिलाकर अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर लिया है। अपने बहुमुखी अभिनय और अनोखी पटकथाओं को चुनने की कला के लिए जानी जाने वाली सान्या एक बार फिर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनी हैं जो अपनी विषयवस्तु और कलात्मक प्रस्तुति के लिए सराही गई हैं। सान्या मल्होत्रा की व्यंग्यात्मक कॉमेडी फिल्म 'कटहल: अ जैकफ्रूट मिस्ट्री', जिसे इसकी ताजगी भरी कहानी, सामाजिक



प्रासंगिकता और अनोखे हास्य के लिए प्रशंसित है, फिल्म में उन्होंने एक जुझारू पुलिस अफसर की भूमिका निभाई,

मिला हास्य कहना मेरे लिए बेहद खास रहा है, और मैं गुनीत मोंगा, अचिन जैन और पूरी टीम की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इतना अनोखा किरदार दिया। यह फिल्म व्यंग्य और संवेदनशीलता के माध्यम से समाज की महत्वपूर्ण सच्चाइयों को दर्शाती है, और मुझे खुशी है कि यह दर्शकों के साथ जुड़ पाई। इस सम्मान से मुझे और भी अधिक सार्थक सिनेमा चुनने की प्रेरणा मिलती है। जूरी और कटहल को समर्थन देने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद। इस खुशी में और इजाज़ा करते हुए, चिकी कौशल के साथ सान्या मल्होत्रा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म सैम बहादुर को कई पुरस्कारों से नवाजा गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ मेकअप, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन और राष्ट्रीय, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मूल्यां को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म शामिल हैं।

सजा हुआ प्रवेश द्वार- जिस घर का प्रवेश द्वार साफ सुथरा सजा हुआ, तोरण लगा हुआ होता है। माता लक्ष्मी उस घर में निवास करती हैं।



संपादकीय

कांग्रेस का भारत विरोधी स्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में कांग्रेस का आचरण भारत विरोध का हो गया है। अक्सर यह बात कही जाती है, जिसे कांग्रेस के शीर्ष नेता अपने आचरण और विचारों से पुष्ट कर देते हैं। कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत विरोधी बयान को जिस तरह लपका है, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता के साथ भारत के प्रति उनके दृष्टिकोण को भी दिखाता है। अपने देश के हित को ध्यान में रखकर भारत के साथ व्यापारिक समझौते के लिए दबाव की राजनीति कर रहे ट्रंप के जिस विचार का विरोध एक स्वर में होना चाहिए था, कांग्रेस के मुख्य नेता राहुल गांधी उस भारत विरोधी स्वर में अपना स्वर मिला रहे हैं। यह भारत का विरोध नहीं तो क्या है? जैसे ही ट्रंप ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है, वैसे ही राहुल गांधी ने ट्रंप के इस बयान को लपक लिया। उन्होंने भी कहना शुरू कर दिया कि ट्रंप सही कह रहे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है। राहुल गांधी को लग रहा होगा कि वे प्रधानमंत्री मोदी का विरोध कर रहे हैं परंतु देश की जनता यह साफ देख रही है कि राहुल वास्तव में भारत का विरोध कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने भारत विरोध में उठी आवाजों में अपना स्वर मिलाकर उन्हें पुष्ट करने का काम किया है। पाकिस्तानी नेता जब भारत के खिलाफ टिप्पणी करते हैं, तब भी उनके सभी आरोप कांग्रेस को सही लगते हैं। जब चीन के नेता, भारत विरोधी बयान देते हैं, तब भी राहुल गांधी और कांग्रेस उनके बयानों के आधार पर सरकार को आड़े हाथों लेने कि कोशिश करते हैं। वही, जब भारत की प्रशंसा होती है तब चुप्पी साध ली जाती है या फिर उस फ़र्जी कह दिया जाता है। यह हो जब यही ट्रंप 'मोदी-मोदी' कर रहे थे तब कांग्रेस को ट्रंप भारत के दुश्मन और बड़बोले नेता के तौर पर दिखाई देते थे। लेकिन आज जब ट्रंप ने भारत पर दबाव बनाने के लिए उपटण्ड बयान दिया है तो कांग्रेस के सर्वेसर्वा उस सच मानकर ओछी राजनीति कर रहे हैं। राहुल गांधी को अपनी ही पार्टी के उन नेताओं से सीखना चाहिए, जो मानते हैं कि देश की प्रतिष्ठा से बढ़कर राजनीतिक स्वार्थ नहीं हो सकते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर और राजीव शुक्ला के बयान राहुल गांधी को अवश्य सुनने चाहिए, जिसमें उन्होंने ट्रंप के विचार को बचकाना बताया है। यह सही भी है क्योंकि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मृत होती है तब अन्य देशों की अर्थव्यवस्था को क्या कहा जायेगा? आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और वैश्विक निवेशक भी भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास दिखा रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी 'मालिक' कह रहे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मर गई है। क्या राहुल गांधी इस तरह भारत का विरोध करके जनता का विश्वास जीतेंगे? अपनी इसी प्रकार की सोच से राहुल गांधी कांग्रेस को जनता की नज़रों में इतना गिरा देगे कि शायद भविष्य में कांग्रेस फिर कभी स्वाधिमान के साथ खड़ी हो पाए। भारत के लोग अपने देश का अपमान और विरोध सहन नहीं करते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास दिखा रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी 'मालिक' कह रहे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मर गई है। क्या राहुल गांधी इस तरह भारत का विरोध करके जनता का विश्वास जीतेंगे? अपनी इसी प्रकार की सोच से राहुल गांधी कांग्रेस को जनता की नज़रों में इतना गिरा देगे कि शायद भविष्य में कांग्रेस फिर कभी स्वाधिमान के साथ खड़ी हो पाए। भारत के लोग अपने देश का अपमान और विरोध सहन नहीं करते हैं।

अमृत

कलश

मैं कौन हूं

तुम्हारा

कर्तव्य है कि तुम यह या वह बनो, न कि यह या वह ! 'मैं वही हूँ जो मैं हूँ', यही सम्पूर्ण सत्य का सार है। इस विधि का सार 'स्थिर रहो' शब्दों में है। स्थिर रहने का क्या अर्थ है ? इसका अर्थ है स्वयं को नष्ट कर लेना। क्योंकि कोई भी रूप या आकृति परेशानी का कारण है। 'मैं अमुक हूँ', इस धारणा को त्याग दो। आत्म-साक्षात्कार के लिए बस स्थिर रहना आवश्यक है। इससे आसान और क्या हो सकता है ? मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यह सोचना है कि वह स्वभाव से कमजोर है, स्वभाव से दुष्ट है। प्रत्येक मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप में दिव्य और शक्तिशाली है। कमजोर और दुष्ट उसकी आदतें, उसकी इच्छाएँ और विचार हैं, न कि वह स्वयं। यदि आप 'मैं' की इस भावना को पर्याप्त समय तक और पर्याप्त दृढ़ता से बनाए रखते हैं, तो झूठा 'मैं' गायब हो जाएगा और केवल वास्तविक, अंतर्निहित 'मैं', चेतना की अखंड जागरूकता ही शेष रह जाएगी।जान लो कि शरीर के साथ तादात्म्य का उन्मूलन ही दान, आध्यात्मिक तपस्या और अनुष्ठान है; यह पुण्य, दिव्य मिलन और भक्ति है; यह स्वर्ग, धन, शान्ति और सत्य है; यह अनुग्रह है; यह दिव्य मौन की स्थिति है; यह अमर मृत्यु है; यह ज्ञान, त्याग, अंतिम मुक्ति और आनंद है। मैं कौन हूँ ? प्रश्न का वास्तव में उत्तर पाने के लिए नहीं है, 'मैं कौन हूँ ?' प्रश्न का उद्देश्य प्रश्नकर्ता को विलीन करने है।

दृष्टि

कोण

भारत

अनुसंधान में नित नई ऊंचाइयों को छूने का दावा करते हैं, वहीं दूसरी ओर आधी की देश के कोने-कोने मेंऐसे दृश्यमिल जाते हैं जहाँ बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। यह विडंबना तब और पीड़ादायक हो जाती है जब शिक्षा का मार्ग केवल गरीबी या संसाधनों की कमी से नहीं, बल्कि अंधविश्वास और पाखंड से बाधित होता है। पाखंड केवल किसी झूठे बाबा का चमत्कार दिखाना नहीं होता, यह वह सामाजिक जाल है जिसमें बच्चों की सोच, सवाल, और सपनों को जकड़ लिया जाता है। ऐसे लोग जिनका उद्देश्य समाज में अपना वर्चस्व बनाना होता है, वे शिक्षा को सबसे बड़ा खतरा मानते हैं। क्योंकि शिक्षा सवाल करना सिखाती है, सोचने का विवेक देती है और व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है। यही वह शक्ति है जिससे पाखंडियों की दुकानें बंद हो सकती हैं। आज भी

देश के अनेक गांवों, कस्बों और पिछड़े क्षेत्रों में ऐसे कथित साधु, संत और धर्मगुरु मौजूद हैं जो मंच से प्रवचन देते हुए कहते हैं, “लड़कियों को ज्यादा पढ़ाओगे तो वे घर नहीं संपालेंगी”, “पुत्रों की विधा उसके विवाह में बाधा बनती है”, “अत्यधिक शिक्षित कन्या अशुभ होती है।” ऐसे वक्तव्य केवल मजाक नहीं होते, ये समाज की सोच को दिशा देते हैं और माता-पिता को बच्चों को स्कूल भेजने से रोकते हैं। सरकारी प्रयासों के बावजूद शिक्षा का प्रसार तब तक नहीं हो सकता जब तक समाज की मानसिकता नहीं बदले। एक ओर सरकारी बच्चों को स्कूल लाने के लिए पोषण आहार, छात्रवृत्ति और मुफ्त किताबों जैसी योजनाएँ चला रही है, वहीं दूसरी ओर समाज के स्वयंभू ठेकेदार शिक्षा को तिरस्कार की दृष्टि से देख रहे हैं। शिक्षा का विरोध करने वाला हर स्वर दरअसल उस भय का प्रतीक है जो पाखंडियों को सता रहा है — कि यदि बच्चा शिक्षित हो गया तो



वह जात-पात, भेदभाव, मंदिर में भेद, महिलाओं की स्थिति, शोषण और अन्याय जैसे मुद्दों पर सवाल पूछेगा। यही डर उन्हें किताबों से दूर रखता है। आज भी कई जगहों पर यह कहा जाता है कि “बेटियों को ज्यादा पढ़ा दोगे तो उनका विवाह मुश्किल हो जाएगा।” कहीं-कहीं पर यह भी कहा जाता है कि “शिक्षित लड़की संस्कारहीन हो जाती है।” यह सोच केवल पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि उस पाखंडी सोच की देन है जो धर्म और संस्कृति के नाम पर अज्ञान को बढ़ावा देती है। यहाँ गौर करने वाली बात यह है कि वे स्वयंभू धर्मगुरु जो

शिक्षा को व्यर्थ बताते हैं, वे स्वयं उच्चशिक्षित होते हैं। उनके बच्चे विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं, लेकिन वे गांव के बच्चों को ‘गुरुकुल संस्कृति’ का पोट पढ़ाते हैं जहाँ तर्क का स्थान नहीं होता। यह दोहरा मापदंड इस देश की सबसे बड़ी त्रासदी है। आस्था और अंधविश्वास के बीच की सीमा रेखा तब धुंधली हो जाती है जब कोई बाबा कहता है कि “बच्चों को स्कूल नहीं, सत्संग में भेजो” और समाज उसका आंख मूँदकर पालन करता है। यही वह क्षण होता है जब शिक्षा पर पाखंड भारी पड़ता है। एक शिक्षित समाज ही एक प्रगतिशील राष्ट्र की नींव होता है। परंतु जब शिक्षा को ही शंका की दृष्टि से देखा जाए, तो देश का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। स्कूलों को पूजा स्थलों से कमतर आंकना, शिक्षकों को समाज में द्वितीय दर्जा देने और ज्ञान की जगह मंत्रों को प्राथमिकता देना — यह सब उसी मानसिकता का परिणाम है। ध्यान देने की बात यह भी है कि कई बार

राजनीतिक शक्ति और धार्मिक पाखंड का गठबंधन हो जाता है। वोट बैंक की राजनीति में तथाकथित साधुओं को मंच मिल जाता है और वे पाठ पढ़ाते हैं जहाँ तर्क का स्थान नहीं होता। मानसिक दोहन करते हैं। वे स्वतंत्रता, समानता, तर्क, और अधिकारों की भी शिक्षा प्राप्त करते हैं। यही वह बात है जो पाखंडियों को असहज कर देती है। वे नहीं चाहते कि कोई बच्चा पूछे कि — “यदि हम सब ईश्वर की संतान हैं, तो जातियौं क्यों हैं?” “रिश्तों को मंदिरों में प्रवेश क्यों नहीं मिलता?” “गरीबों को अच्छे स्कूल क्यों नहीं मिलता?” ये सवाल ही पाखंड की जड़ें हिला सकते हैं, इसलिए ऐसे लोगों का पहला हमला हमेशा शिक्षा पर होता है। अफसोस की बात यह है कि शिक्षा विभाग तक कई बार इन प्रवृत्तियों के आगे कमजोर पड़ जाता है।

देश की सभी बाघ परियोजनाओं में 75000 वर्ग किमी क्षेत्र बाघों के लिए सुरक्षित

बाघों के सबसे बड़े घर में सुरक्षा बनी चुनौती

मध्यप्रदेश

में चल रहे मानव-बाघ संघर्श और अवैध शिकार एक बड़ी चुनौती बनकर पेश आई है। क्योंकि यह राज्य देश में ‘टाइगर स्टेट’ कहा जाता है। बाघों की निरंतर बढ़ती संख्या इनके संरक्षण और सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही है। अतएव वन विभाग को सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता की भी जरूरत है। क्योंकि अब इनके आवास और प्रजनन के क्षेत्रकेवल बाघों के लिए आरक्षित उद्यान नहीं रह गए हैं। ये अपना क्षेत्रविस्तृत कर रहे हैं। प्रदेश में वर्तमान में बाघों की संख्या 850 से लेकर 900 के बीच है। उम्मीद की जा रही है कि 2026 में होने वाली बाघ-गणना में 950 से अधिक बाघ प्रदेश के वन प्रांतों में हो सकते हैं, लेकिन चिंता की बात है कि राश्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधीकरण (एनटीसीए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 के छह माह के भीतर 29 बाघों की मौत हो चुकी है। यानी औसतन प्रतिमाह पांच बाघ या तो प्राकृतिक मौत मरे है या फिर पेशेवर शिकारियों ने उनका शिकार किया है। हाल ही में शिवपुरी से लगे प्योपुर से तीन बाघों की हड्डियों के साथ तीन आरोपियों को स्टेट टाइगर स्ट्टाइक फोर्स ने पकड़ा है। इनमें से एक बाधिन टी-1 शिवपुरी के माधव राश्ट्रीय उद्यान की बताई जा रही है। इस बाधिन की करीब 1 वर्ष से जानकारी नहीं मिल रही है। जबकि इसके गले में आईडी कॉलर डली हुई है। इस मामले में शिवपुरी के उद्यान से लगे ग्राम भीमपुर से पकड़े गए मुख्य आरोपी सोजीराम मोगिया ने स्वीकार किया है कि उसने जहर देकर एक बाघ को मारा है। हालांकि वनसंरक्षक उत्तम शर्मा प्रमाण के अभाव में बाधिन का शिकार करना स्वीकार नहीं कर रहे है, लेकिन बाधिन किस स्थल पर हैं, इसका उनके पास कोई उत्तर नहीं है। सोजीराम का 250 बीघा वनभूमि पर अवैध कब्जा भी है, जो उद्यान की सीमा से लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाघ परियोजना के 50 साल पूरे होने के अवसर पर कर्नाटक के मैसूर में बाघों की नई गणना रिपोर्ट-2022 जारी की थी। हालांकि यह संख्या और ज्यादा भी हो सकती है, क्योंकि यह गिनती केवल बाघ परियोजना क्षेत्रों में लगे कैमरों में कैद हुए बाघों की, की गई थी। बाघों की यह वृद्धि दुनिया के लिए गर्व का विषय है। यह दुर्लभ प्राणी एक समय लुप्त होने के कगार पर पहुंच गया था, तब 1 अप्रैल 1973 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाघ परियोजनाओं के जरिए बाघ संरक्षण के मजबूत उपाय किए थे। दुनिया की कुल आबादी के 75 प्रतिशत बाघ अकेले भारत में हैं। देश की सभी बाघ परियोजनाओं में 75000 वर्ग किमी क्षेत्र बाघों के लिए सुरक्षित है। दुनिया का महज 2.4 प्रतिशत भू-भाग हमारे पास है, जबकि जैव-विविधता के संरक्षण में हमारा योगदान आठ प्रतिशत है। भारत की कुल आबादी के करीब 850 बाघ मध्यप्रदेश की धरती पर विचरण कर रहे हैं। इसीलिए अब मध्यप्रदेश ‘बाघ



राज्य’ (टाइगर स्टेट) कहलाता है। बाघ संरक्षण भारत सरकार और राज्यों की साझा जिम्मेदारी है। संवेदान और सह-अस्तित्व के लिए प्रोत्साहित करने वाली हमारी सांस्कृतिक विरासत ने बाघ परियोजना की सफलता में अहम् भूमिका निभाई है। इन साझा प्रयासों का ही परिणाम है कि बाघों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। बीती सदी में जब बाघों की संख्या कम हो गई तब मध्य प्रदेश के कान्हा राश्ट्रीय उद्यान में पैरों के निशान के आधार पर बाघ गणना प्रणाली को पुरुआती मान्यता दी गई थी। ऐसा माना जाता है कि हर बाघ के पंजे का निशान अलग होता है और इन निशानों को एकत्र कर बाघों की संख्या का आकलन किया जा सकता है। कान्हा के पूर्व निदेशक एचएस पवार ने इसे एक वैज्ञानिक तकनीक माना था, लेकिन यह तकनीक उस समय मुश्किल में आ गई, जब ‘साईंस इन एशिया’ के मौजूदा निदेशक के उल्लास कारंत ने बंगलुरु की वन्य जीव संरक्षण संस्था के लिए विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में बंधक बनाए गए बाघों के पंजों के निशान लिए और विशेषज्ञों से इनमें अंतर करने के लिए कहा। इसके बाद पंजों के निशान की तकनीक की कमजोरी उजागर हो गई और इसे नकार दिया गया। इसके बाद ‘कैमरा ट्रैपिंग’ का एक नया तरीका पेश आया। जिसे कारंत की टीम ने शुरूआत में दक्षिण भारत में लागू किया। इसमें जंगली बाघों की तस्वीरें लेकर उनकी गणना की जाती थी। ऐसा माना गया कि प्रत्येक बाघ के शरीर पर धारियों का प्रारूप उसी तरह अलग-अलग है, जैसे इंसान की अंगुलियों के निशान अलग-अलग होते हैं। यह एक महंगी आकलन प्रणाली थी। पर यह बाघों के पैरों के निशान लेने की तकनीक से कहीं ज्यादा सटीक थी। इसके तहत कैचर और री-कैचर की तकनीकों वाले परिरक्षक सांख्यिकी उपकरणों और प्रारूप की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके बाघों की विश्वव्यापी संख्या का पता लगाने की पुरुआत हुई। इस तकनीक द्वारा गिनती सामने आने पर बाघों की संख्या नाटकीय ढंग से घट गई थी, जो अब बढ़ रही है। हालांकि बढ़ते क्रम में बाघों की गणना को हमेशा पर्यावरणविदों ने संदिग्ध माना है। क्योंकि आर्थिक उदारवाद के चलते बहुराश्ट्रीय

देश

दुनिया से

पिघलते ग्लेशियर व सिकुड़ते बादलों के खतरे

दुनिया

के करोड़ों लोग स्वच्छ जल की आपूर्ति के लिए ग्लेशियरों पर निर्भर हैं। लेकिन ये महत्वपूर्ण जलस्रोत इस समय भारी दबाव में हैं। यदि वैश्विक तापमान अपने वर्तमान पथ पर जारी रहता है, तो दुनिया के 75 प्रतिशत ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। ग्लेशियरों के लुप्त होने का सिलसिला जारी रहेगा, भले ही आगे गमी और न बड़े। ग्लेशियर मॉडल का उपयोग करके किए गए एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता है कि आज के स्तर पर तापमान को स्थिर करने से भी ग्लेशियरों के 40 प्रतिशत नुकसान होगा। अध्ययन का निष्कर्ष है कि यदि दुनिया का तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ता है, जो वर्तमान जलवायु नीतियों के अदरूप है, तो भी दुनिया के ग्लेशियरों की बर्फ का केवल एक-चौथाई हिस्सा ही बचेगा। लेकिन इस अध्ययन में आशा की एक किरण भी दिखाई देती है। यदि वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित किया जा सका, जो पेरिस जलवायु समझौते का लक्ष्य है, तो तमाम ग्लेशियरों की बर्फ का लगभग आधा हिस्सा अब भी बचाया जा सकता है। दस देशों के 21 विज्ञानियों ने दुनिया भर के 2,00,000 से अधिक ग्लेशियरों के भविष्य का अनुमान लगाने के लिए आठ स्वतंत्र ग्लेशियर मॉडलों का उपयोग किया। इस अध्ययन में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियर शामिल नहीं किए गए। विज्ञानियों ने अपने अध्ययन में वैश्विक तापमान के विभिन्न परिदृश्यों का परीक्षण किया। आज की वैश्विक गर्मी भी ग्लेशियरों के बड़े नुकसान का संकेत है। एक चौकाने वाला निष्कर्ष यह है कि अगर आज वैश्विक तापमान बढ़ना बंद हो जाता है, तो भी ग्लेशियर का नुकसान जारी रहेगा। पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर के वर्तमान वैश्विक तापमान पर लगभग 40 प्रतिशत ग्लेशियर बर्फ के पहले ही गायब होने का अनुमान लगाया जा चुका है। जर्मनी के ब्रेमेन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक बेन मार्जिनन ने कहा कि अध्ययन के परिणाम इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि वर्तमान जलवायु नीतियाँ भविष्य में ग्लेशियरों के आकार में निर्णायक भूमिका अदा



करेंगी। वैज्ञानिकों ने हर अतिरिक्त 0.1 डिग्री गर्मी पर वैश्विक ग्लेशियर द्रव्यमान में 2 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। अध्ययन में शामिल एक अन्य वैज्ञानिक डॉ. हैरी जेकोलारी कहते हैं कि डिग्री का हर अंश मायने रखता है। आज हम जो विकल्प चुनते हैं, वे सदियों तक प्रतिध्वनित होंगे। नए अध्ययन से जुड़ी वैज्ञानिक डॉ. लिलियन शूस्टर का कहना है कि ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के अच्छे संकेतक हैं। हम अपनी आंखों से देख सकते हैं कि ग्लेशियरों के पीछे हटने से जलवायु कैसे बदल रही है। हालांकि, उनका वर्तमान आकार पहले से ही चुके जलवायु परिवर्तन की भयावहता को बहुत कम करके आंकता है। ग्लेशियरों की स्थिति वास्तव में आज पहाड़ों में दिखाई देने वाली स्थिति से कहीं ज्यादा खराब है। ग्लेशियर के पीछे हटने से न केवल समुद्र के स्तर पर असर पड़ता है, बल्कि ताने पानी की उपलब्धता पर भी दूरगामी प्रभाव पड़ता है। ग्लेशियर से संबंधित खतरों का जोखिम बढ़ता है और ग्लेशियर आधारित पर्यटन प्रभावित होता है। ये परिवर्तन जो पहले से ही कई क्षेत्रों में दिखाई दे रहे हैं, वैश्विक जलवायु नीति के महत्व को रेखांकित करते हैं। यह अध्ययन संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष (2025) में एक महत्वपूर्ण

योगदान है और दुनिया के ग्लेशियरों को बचाने के लिए वैश्विक जलवायु कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। ग्लोबल वार्मिंग प्रकृति की दूसरी प्रणालियों को भी प्रभावित कर रही है। नासा के नेतृत्व में किए गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि तेज गर्मी का असर बादलों पर भी दिखाई दे रहा है। पृथ्वी के लिए बादलों के आवरण का विशेष महत्व है। बादल न सिर्फ धरती की प्यास बुझाते हैं बल्कि सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करके हमारे ग्रह को ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। लेकिन अब घने काले बादलों का क्षेत्र सिकुड़ने लगा है। इन बादलों को स्टॉर्म क्लाउड भी कहा जाता है। चिंता की बात यह है कि यह सिकुड़न अधिक सौर विकिरण को अंदर आने दे रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी की हाल ही में गर्मी बढ़ने का यह सबसे बड़ा कारण है। उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों और भूमध्य रेखा तथा ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच के इलाकों के काले बादलों के क्षेत्र प्रति दशक 1.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक सिकुड़ गए हैं। ये क्षेत्र पहले बहुत अधिक मात्रा में सूर्य के प्रकाश को वापस अंतरिक्ष में परावर्तित करते थे। बादलों के गायब होने से अधिक गर्मी पृथ्वी की सहात तक पहुंच रही है।

अब

तो साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मेधा व भारत की तरक्की को अपने लिये खतरे के रूप में देख रहे हैं। दूसरे कार्यकाल में आये दिन भारत के खिलाफ उनके बयान दरअसल अमेरिका के असुरक्षाबोध को ही दर्शाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। ‘मेक अमेरिका ग्रेट अगेन’ के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दे। यह भी कहते रहे हैं कि अमेरिकी टेक कंपनियां ने अपने फायदे के लिये चीन में फैक्ट्रियां लगाकर उसे समृद्ध किया। इन कंपनियों द्वारा भारतीयों को अवसर देना उन्हें रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने एप्पल को चेतावनी दी थी कि यदि

उसने भारत में आईफोन का उत्पादन किया तो सजा के तौर पर उस पर पच्चीस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस वैश्वीकरण व उदारीकरण के नाम पर अमेरिका ने अपार संपदा जुटाई, उससे दूसरे देशों को फायदा पहुंचाना उसे नागवार गुजर नहीं आ रहा है। वह कैसे संभव है कि हर सामान का उत्पादन अमेरिका में ही हो, और उस कंपनी में सिर्फ अमेरिकी ही कर्मचारी हों। निस्संदेह, प्रतिभा और कार्यकुशलता किसी एक देश का कांपी राइट नहीं हो सकता। मौजूदा दौर की वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुक्त व्यापार के दौर में कौं देश अपनी अर्थव्यवस्था के दरवाजे दूसरों के लिये बंद करके समृद्ध नहीं हो सकता है। दरअसल, आज खुली अर्थव्यवस्था में मल्टीनेशनल कंपनियां अपना मुनाफा देखती हैं। उन्हें जहां सरसा श्रम व प्राकृतिक संसाधन सुलभ होते हैं, वहीं उत्पादन इकाई लगाती हैं। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि आईटी के क्षेत्र व सिलिकॉन वैली में यदि समृद्धि की बयार बह रही है, उसमें भारतीयों का बड़ा योगदान है। आज यदि अमेरिका

की बड़ी आईटी कंपनियां में भारतीय शीर्ष पदों पर तो अपनी प्रतिभा के बूते ही हैं। एक शोध में खुलासा हुआ है कि सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक कर्मी भारतीय मूल के हैं। अपनी योग्यता के बूते दर्जनों टेक कंपनियों में भारतीय आईटी विशेषज्ञ ऊंचे ओहदों पर विराजमान हैं। निश्चित रूप से भारतीय टेक विशेषज्ञ अमेरिका आर्थिकी को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की कौं देश अपनी अर्थव्यवस्था के मजबूतपन को देखते हैं। भारतीयों को महत्व न दें, उनकी संकुचित व प्रतिगामी सोच का ही पर्याय है। अब यदि कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बूते भारतीय अमेरिका में दूसरे नंबर के समृद्ध प्रवासी हैं, तो उसके मूल में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा है। जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। यह रोचक तथ्य है कि अमेरिका आबादी का डेढ़ प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय प्रवासी छह फीसदी आयकर देते हैं। जो उनके अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान को ही दर्शाता है। ट्रंप को आत्म-मंथन करना चाहिए कि यदि सिलिकॉन वैली व टेक उद्योग दुनिया में वर्चस्व बनाये हुए हैं तो उसके मूल में भारतीय मेधा की तपस्या व त्याग निहित है। अमेरिका का खतना घर रहे कई सॉफ्टवेयर तैयार करने में तमाम भारतीय इंजीनियरों का योगदान रहा है। ट्रंप को समय रहते समझ लेना चाहिए कि कथित रूप से अमेरिका को फिर से महान बनाने का नारा भारतीय प्रतिभाओं के योगदान के बिना सिर्फ जुमला बनकर रह जाएगा। अमेरिका के पास गोरे लोगों की वह श्रम शक्ति नहीं है जो उसे दुनिया पर राज कराने का मौका दिला सके। इस बात को ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, वो अमेरिका के हित में ही होगा।



आज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अगर बहुत बराना है तो सुबह सूर्य नमस्कार से दिन की शुरुआत करें। मित्रों के साथ रहने पहले से बेहतर बनेंगे. घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं. संतान की खुशी बनी रहेगी. संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है. आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है. अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई-बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है. आप दूसरों की खुशी के लिए हमेशा काम करने वाले रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

नया कारोबार चालू करना लाभदायक रहेगा परन्तु महनत करनी पड़ेगी किन्तु आने वाले समय में आर्थिक लाभ रहेगा. अगर प्रेम-संबंध की बात हो तो परिजनों की सलाह लेने में संकोच न करें। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा. प्रेम विषयों की स्थिति गंभीर हो सकती है. वैवाहिक सम्बन्ध को आगे बढ़ाने के लिए समय अनुकूल है।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज सूर्य अटक का पाठ करके ही कार्य आरंभ करें दिल का भय दूर होगा इसलिए इससे परेशान ना हों और खुद को शांत रखें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. घंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. मित्रों और परिवारजनों का भी भरपूर सहयोग आज आपको मिलने वाला है. आज मित्रों से आपको मदद मिलने वाली है. पैतृक संपत्ति मिलने के आसार हैं. गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सूर्य द्वादश नाम का जप करके सूर्य को प्रणाम करें आपको उचित समय का पहचान होगा. सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है. परिवार में भी स्थिति ठीक बनी रहेगी. बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं. आपका दोस्त आपको कोई काम करने के लिये कह सकता है. प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. सीनियर से बात करते समय आपको जुबान फिसल सकती है. गाय और नंदी की तन-मन-धन से सेवा करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन अच्छा है आमदनी बढ़ेगी आय अच्छी रहेगी किन्तु बेकार के खर्चों पर अंकुश लगाना श्रेयकर रहेगा. आपको अपने करियर में चुनौतियाँ का सामना करना पड़ सकता है. अथक परिश्रम उपरति आप स्थितियों पर काबू पा पायेंगे. भावनाओं को अपने निर्णयों की निर्धारित न करने दें. निष्प-क्षता बनाये रखें. व्यावसायिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में यात्रा आपको नवीन अवसर प्रदान कर सकती है. आज आप किसी पुराने परिचित से अचानक ही मिल सकते हैं. शरीर से सम्बन्ध है तो सूर्यास्त के बाद रूध का आहार करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा. दिन आपके लिए बहुत ही लाभदायक है. जल्दबाजी में लेन-देन न करें. किसी छोटी सी भूल से हानि हो सकती है. अपरिचित व्यक्ति की बातों पर भरोसा न करें. कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी. संतान के प्रति भी चिन्ताएं कम होंगी. जो कार्य आप करने की योजना बना रहे थे आज उनमें गति आएगी. दोपहर के बाद आप बच्चों के साथ सैर सपाटे पर निकल जाए पूरा समय मनोरंजन में बीतेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने रोजगार में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे. किसी काम के लिये कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है. आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा. आपको कोई भी मौका हाथ से नहीं गंवाना चाहिए. बदलते मौसम में आपको अपने ऊपर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है. बहुत स्वास्थ्य के लिए आप को आपको अपने खान-पान में भी बदलाव करना चाहिए. और सुबह शाम के समय टहलना भी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने कार्यक्षेत्र पर काम करने वाले व्यक्तियों कुछ साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखने होंगे। व्यर्थ की यात्राओं से बचने का प्रयास करें. हॉलांकि आर्थिक रूप से समय को अनुकूल कहा जाएगा. फिर भी खर्च पर नियंत्रण रखना श्रेयकर रहेगा. समय-समय पर परिजनों का सहयोग मिलता रहेगा. कार्य क्षेत्र में आपको समझ कुछ समस्याएं आ सकती हैं अपने हाथ से गाय माता को पुष्ट खिलाए।

धनु – ये,यो,भ,मी,भू,धा,फा,बा,भे

आप की झूठ बोलने की आदत आप को हरेक समय अपने सहकर्मियों के बीच लज्जित करती हैं झूठ बोलने से बचें, और यह आपके प्रेम-संबंध को भी बिगाड़ सकता है. तनाव का तनाव पर खराब असर हो सकता है. धन संबंधी मामलों में बुद्धि व विवेक से फैसले लें. दिन खूबने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा. बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं. आज आप खरीदारी के लिए निकल सकते हैं, यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा कुछ पैसा अपने उज्जवल भविष्य के लिए जमीन में निवेश करते।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सूर्य की सात प्रदक्षिणा करके निष्पक्षता चाहिए आप कोई बड़ी विजयें हासिल करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच-समझकर फैसले करने की जरूरत है. आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए. आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में परेशानी आ सकती है. आपका कोई कामगार पूरा न होने पर काम अटक भी सकता है. जो छात्र उच्च शिक्षा में दाखिला लेने के लिये परीक्षाएं दे रहे हैं, उन्हें मन-मुतालिक परिणाम के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिए. आप को अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने पर अधिक पैसा खर्च करने से बचना चाहिए।

कुम्भ – गु,गु,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुबह ओंकार का उच्चारण करके ध्यान करें। व्यवसायी संदर्भ में आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं कि आपके पास बहुत अधिक काम है. किन्तु उसे पूरा करने के लिए समय बहुत कम है. व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक प्रतिबद्धता का आपके ओझों पर एक जगज्ज्व प्रभाव पड़ेगा. भाई-बहनों की सामाजिक स्थिति में अप्रत्याशित और अचानक वृद्धि होगी.दिन की कोई अचानक घटना आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है.आप प्रेमी के साथ कहीं घूमने पर जाने से बचना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,अ,दे,दो,चा,ची

आज सूर्य को जल, सूर्य को नमस्कार सूर्य जप करने से शरीर में जबरदस्त ऊर्जा और उसाह रहेगा सकारात्मक परिणाम आंएंगे और घरेलू तनाव दूर होने में मददगार मिलेगी कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें. अगर आप अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. हल्का भोजन करें सेहत अनुकूल रहेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 अगस्त 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 11:43 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 09:13 तक
योग : ब्रह्म प्रातः 07:04 तक
करण : गर प्रातः 11:43 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:45 (बेंगलूर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:38 (विजयवाड़ा)

शुभ चौघडिया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
विश्राणुल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- सोमवार शिव पूजन ,
भद्रा रात्रि 12:32 से , गण्डमूल प्रातः 09:14 से

पं.चिदम्बर मिश्र (टिळू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान,
भागवत कथा एवं मूल पाठ्यगण,
वास्तुशास्त्रि, गृहप्रवेश,शंतचंडी, विवाह,
कुंडली मिलान, नवग्रह शांति, ज्योतिष
सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकार्डगंग,
हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण



नई दिल्ली/जयपुर, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के जोधपुर हाउस में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के

तहत बिल्व का पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिल्व जैसे पौधे धार्मिक और औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे

लगाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में 'एक पेड़ मां के नाम' और 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत इस वर्ष दस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत अब तक साढ़े सात करोड़ से अधिक पौधरोपण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य में हरियाली तीज के दिन ढाई करोड़ पौधे लगाकर एक रिकॉर्ड बनाया है जो प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधर-पेण सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान को और अधिक गति देने का आह्वान किया।

जयपुर में चिकित्सा चमत्कार: एसएमएस हॉस्पिटल ने 6 साल के बच्चे का कटा हाथ जोड़ा

जयपुर, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

अलवर के 6 वर्षीय जसप्रीत सिंह के साथ हुआ एक दर्दनाक हादसा रविवार को चिकित्सा विज्ञान के लिए मिसाल बन गया। 20 जुलाई की शाम करीब 6 बजे घर के पास खेलते समय जसप्रीत घास काटने वाली मशीन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भयावह था कि उसकी कलाई के ऊपर से पूरा हाथ कटकर अलग हो गया। घर में चीख-पुकार मच गई, लेकिन इस अफरातफरी में भी मां ने अद्भुत साहस और सतर्कता का परिचय दिया। उन्होंने कटे हाथ को पॉलीथिन में रखा, बर्फ में सुरक्षित किया



चातुर्मासरत दिगंबर संतों की कठोर आहारचर्या संयम और नियम ही जीवन का आधार

टोंक, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय संस्कृति में संतों का त्याग काफी महत्त्व रखता है। आधुनिक जीवन की चकाचौंध से दूर दिगंबर जैन संत आज भी उसी परंपरा का पालन करते हैं, जिसमें संयम, नियम और तपस्या ही जीवन का आधार है। वे कई दिन तक निर्जल और निराहार रहकर तपस्या करते हैं। आहारचर्या के नियम भी कठिन है। 24 घंटे में एक बार भोजन, खाने के बाद एक बार ही पानी पीना। जरा सी चूक पर उपवास, ऐसी तपस्या के बारे में गृहस्थ तो सोचकर भी घबरा जाते हैं। यह चर्चा अत्यंत कठिन और

अनुशासन से पूर्ण होती है। इसका उद्देश्य सिर्फ शरीर का पोषण नहीं, आत्मा की साधना में सहायता करना होता है। ने चातुर्मासरत दिगंबर संतों की जानिए कैसे आहार चर्या करते हैं जैन संत। दिन में एक बार भोजन: आहार (भोजन) लेना दिगंबर मुनियों की दिनचर्या का अति लघु भाग होता है। वे दिन में केवल एक ही बार भोजन नियम: भगवान के सामने जो संकल्प लिया, नहीं मिला तो उपवास, खाना बनाने की प्रक्रिया में भी शुद्धता के साथ कई परंपराओं का पालन दिगंबर संतों

की ऐसी तपस्वी आहारचर्या, जिसमें नियम ही जीवन है। आहार चर्या पूर्व संतों को आहार के लिए पड़गाहन के लिए कतारबद्ध आवक। आहार चर्या करते संत। इनसेट करवाने से पूर्व श्रावक-श्राविकाएं उसे बनाने में जुटते हैं। संतों का आहार भी नियमों के अनुरूप ही बनता है। इसमें जमीकद, कंद-मूल आदि का उपयोग नहीं होता। आहार बनने में उपयोग की जाने वाली सामग्री तीन दिन में ही करते हैं। आहार ग्रहण का समय सूर्योदय के बाद से लेकर सूर्यास्त से पूर्व होता है। सूर्यास्त के बाद वे कुछ भी नहीं खाते-पीते।

हरियाणा सरकार राज्य के हर क्षेत्र में निष्पक्ष रूप से करवा रही है विकास कार्य : कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि सच्चे जन प्रतिनिधि का एक मात्र धर्म जनसेवा होता है। निस्वार्थ भाव से जनभावनाओं के अनुरूप जनहित के कार्य करवाना और आमजन की समस्याओं का समाधान करना ही सच्चे एवं सार्थक जनसेवक की पहचान होती है। मौजूदा राज्य सरकार निष्पक्ष तरीके से प्रदेश के सभी क्षेत्रों में संतुलित एवं बराबर

विकास कार्य करवा रही है। हरियाणा में हो रहे विकास कार्यों की चर्चा पंजाब जैसे पड़ोसी राज्य में भी है। अन्य इलाकों की तरह नरवाना भी भविष्य में विकास का मांत्र धर्म जनसेवा होता है। इसके लिए वे दिन-रात से जनभावनाओं के अनुरूप जनहित के कार्य करवाना और आमजन की समस्याओं का समाधान करना ही सच्चे एवं सार्थक जनसेवक की पहचान होती है। मौजूदा राज्य सरकार निष्पक्ष तरीके से प्रदेश के सभी क्षेत्रों में संतुलित एवं बराबर

सैनी विधानसभा चुनाव में जनसमर्थन के लिए नरवाना क्षेत्रवासियों का आभार जताने और करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देने के लिए पहुंचेंगे। इस मौके पर मंत्री ने वाल्मीकि चौपाल तथा जिम्म हाल का शिलान्यास किया। इनके निर्माण पर करीब 20 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा मंत्री ने लगभग 2 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास कार्यों की भी घोषणा की।

टैब वितरण घोटाले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर की जाए कड़ी कार्रवाई : सैलजा

चंडीगढ़, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाई उस समय खुलकर सामने आ गई जब कोविड काल में 700 करोड़ रुपये के खरीदे गए 05 लाख टैबलेट आज मात्र खिलौना बनकर रह गए हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह टैब घोटाले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, जिन्होंने टैब के नाम पर देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि कोविड काल में सरकार स्कूलों के पांच लाख विद्यार्थियों को 700 करोड़ रुपये कीमत के टैब शैक्षणिक सत्र 2025-26 में बिना सिम और बिना नेट सुविधा के बंद पड़े है ये कब चालू

होंगे किसी के पास कोई जवाब नहीं है फिलहाल तो ये मात्र खिलौना बने हुए हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह योजना तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थी पर मौजूदा सरकार ने इस योजना को ही पानी पिला दिया है। इससे विद्यार्थियों को लाभ तो क्या हुआ अब तक उन्हें नुकसान ही हो रहा है। इन टैब में तीन साल तक के लिए ही पाठ्यक्रम डाला गया था, सरकार इनका डाटा भी बदलना चाहती थी पर वह काम भी नहीं हुआ। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार आख बंदकर अधिकारियों पर भरोसा करते हुए योजनाएं लागू कर देती है उनसे लाभ हो रहा है या नुकसान इस ओर सरकार ध्यान ही नहीं देती। सरकार ने सेंट्रलाइज्ड परचेजिंग के माध्यम से खुद भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। सरकार की शिक्षा नीति सदा धराशायी होती रही है।

पुष्कर में हाईलेवल ब्रिज पर सेल्फी लेते समय हादसा 25 वर्षीय युवक की डूबने से मौत



अजमेर, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

बालपुरा रावत बस्ती निवासी 25 वर्षीय अजय सिंह रावत की रविवार तड़के पुष्कर हाईलेवल ब्रिज पर सेल्फी लेते समय पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में जा डूबा। सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस टीम ने करीब दो घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया और सुबह 8 बजे युवक का शव पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद घर और परिजनों में कोहराम मचा है।

सिविल डिफेंस के श्रीकृष्ण गोपाल जाट ने बताया कि शनिवार और रविवार की

दरमियानी रात करीब 3 बजे पुष्कर थाना पुलिस से सूचना मिली थी कि एक युवक पानी में डूब गया है। टीम तुरंत मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशकत के बाद शव बरामद किया गया, जो पूरी तरह फूल चुका था। जानकारी के अनुसार, अजय सिंह अपने दोस्तों के साथ पुष्कर घूमने आया था। इस दौरान वह हाईलेवल ब्रिज पर सेल्फी लेने लगा, तभी उसका पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गया। दोस्तों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया और पुलिस को सूचना दी, लेकिन देखते ही देखते वह पानी में डूब गया और दोस्तों के सामने ही उसकी जान चली गई। फिलहाल पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि जान जोखिम में डालकर सेल्फी न लें, क्योंकि लापरवाही से जिंदगी खतरे में पड़ सकती है।

और रात 9:15 बजे पिता के साथ सीधे एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर पहुंची। अस्पताल पहुंचते ही प्लास्टिक सर्जरी विभाग की टीम ने इमरजेंसी में ऑपरेशन शुरू किया। विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ आचार्य डॉ. प्रदीप गुप्ता के निर्देशन में सहायक आचार्य डॉ. आकांक्षा वशिष्ठ, सीनियर रेजिडेंट डॉ. हर्षा रेड्डी, डॉ. साक्षी कश्यप, डॉ. समृद्धि गुप्ता, डॉ. दिलप्रीत कौर, डॉ. शुभम रानी, डॉ. अनामिका और डॉ. रूपल ने करीब 6 घंटे तक लगातार सर्जरी की। इस दौरान हाथ की हड्डियों, नसों, रक्त वाहिकाओं और त्वचा को बारीकी से जोड़ा गया।

डॉ. आकांक्षा वशिष्ठ ने कहा, मैं परिजनों की सतर्कता को सलाम करती हूं। अगर हाथ को सही तरीके से बर्फ में सुरक्षित नहीं किया जाता और समय पर अस्पताल नहीं लाया जाता, तो यह संभव नहीं था। इस सफल सर्जरी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि समय पर उपचार, सही मेडिकल प्रोसेस और मजबूत इरादों से असंभव भी संभव हो सकता है। एसएमएस अस्पताल की इस कामयाबी ने न केवल डॉक्टरों की कुशलता बल्कि एक मां के साहस और तत्परता को भी नई पहचान दी है, जिसे आज पूरा शहर सलाम कर रहा है।

उदयपुर में होटल गणेश पर पुलिस का छापा रेव पार्टी और देह व्यापार के शक में 50 से ज्यादा युवक-युवतियां डिटेल

उदयपुर, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

शहर के पास कोडीयात रोड स्थित होटल गणेश में शनिवार देर रात पुलिस ने रेव पार्टी और देह व्यापार की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए छापा मारा। यह कार्रवाई डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में की गई, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। पुलिस को सूचना मिली थी कि होटल गणेश रेस्टोरेंट में रेव पार्टी के साथ-साथ देह व्यापार भी चल रहा है।

सूचना की पुष्टि के बाद देर रात पुलिस ने होटल में दबिश दी। छापेमारी के दौरान वहां शराब और आपत्तिजनक सामग्री परोसी जा रही थी। मौके पर मौजूद लोग पार्टी का आनंद ले रहे थे, लेकिन अचानक पुलिस के पहुंचते ही वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई लोग भागने की कोशिश में थे, जिन्हें पुलिस ने तुरंत धेकर पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 11 युवतियों और 39

पुरुषों सहित 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। इनमें से अधिकतर उदयपुर के बाहर के पर्यटक बताए जा रहे हैं। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है और उनके पहचान पत्र व अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि मौके से बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। पुलिस फिलहाल सभी के आईडी कार्ड की जांच और पूछताछ कर रही है। इस प्रक्रिया के बाद ही मामले का आधिकारिक खुलासा किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि होटल गणेश का यह मामला लंबे समय से पुलिस की निगरानी में था और शिकायतें मिलने के बाद गुप्त रूप से इसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। देर रात की गई इस कार्रवाई से शहर में चर्चा का माहौल है और यह मामला अब प्रशासन की सख्ती का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।

वसुधैव कुटुम्बकम वाली सोच ही भारत को विश्वगुरु बनाती है : पवन जिंदल

गुरुग्राम, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित एवं हिंदू जीवन मूल्यों को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से गठित हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान (एचएसएसएफ) की प्रांतीय कार्यकर्ता वार्षिक योजना बैठक शुक्रवार को गुरुग्राम के सोहना चौक स्थित सिद्धेश्वर पब्लिक स्कूल के सभागार में हुई। संघ के क्षेत्रीय संघचालक पवन जिंदल और प्रांत संघचालक प्रताप सिंह की उपस्थिति और संस्थान के प्रांत अध्यक्ष विनोद शर्मा की अध्यक्षता में

आयोजित इस बैठक में आगामी साल भर के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रचारक गुणवंत सिंह भी बैठक में विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जहां हरियाणा प्रदेश में संगठन विस्तार पर चर्चा हुई, वहीं मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद पवन जिंदल और गुणवंत सिंह ने विश्व में हिन्दू सेवा और संस्कृति के फैलाव पर बल दिया तथा सनातन संस्कृति को विश्व शांति के लिए अति महत्वपूर्ण बताया।

स्कूलों में आवंटित टैब बने खिलौना, ना सिम और ना इंटरनेट दे पाई सरकार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा



होगी। क्योंकि बीजेपी पहले ही कांग्रेस सरकार द्वारा गरीब, एससी व ओबीसी बच्चों को दी जानी वाली वजीफा योजना को लगभग समाप्त कर चुकी है। कांग्रेस की ही स्पेड व गरीब स्कूली खिलाड़ियों को आर्थिक मदद की योजना को भी बंद किया जा चुका है। हुड्डा ने कहा कि टैब योजना की तरह

इस सरकार ने खुद की चलाई आयुष्मान योजना को भी खेल बनाकर रख दिया है। यही सलूक फसल बीमा योजना और कौशल रोजगार निगम के साथ हुआ है। क्योंकि विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी ने जमकर झूठ फैलाया कि उनकी सरकार ने कौशल निगम के तहत आने वाले सभी सवा लाख कर्मचारियों को पक्का कर दिया है। अब उन्हें रिटायरमेंट तक कोई नौकरी से नहीं निकल पाएगा। लेकिन जब से तीसरी बार भाजपा सत्ता में आई है, लगातार कौशल कर्मियों को नौकरी से निकाला जा रहा है। अब इसको लेकर एक और नोटिस जारी कर दिया गया है कि जो लोग कौशल निगम में 5 साल से कम समय से कार्य कर रहे हैं, उनका नौकरी से निकलना तय है। इसीलिए माम कौशलकर्मों आज बीजेपी के वादों पर भरोसा करके और उन झूठे वादों के बहकावे में जाकर बीजेपी को वोट करके पछता रहे हैं।

बैठक में शिकायतों की स्थिति की जानकारी ली। लंबित मामलों का जल्द से जल्द निस्तारित करने का निर्देश दिया। ऊर्जा मंत्री ने नोडल अधिकारियों से पूछा कि किस तरह की शिकायतें ज्यादा आ रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफार्मर और आपूर्ति से जुड़े मामलों की शिकायत बार-बार आती है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि ही विभाग की प्राथमिकता है। अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता सेवा की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की विचलना स्वीकार नहीं है। विभागीय उत्तरदायित्व तय करते हुए निरंतर निगरानी की जाएगी।



न्यूज़ ब्रीफ

आकाश दीप को बल्लेबाजी कोच ने दी थी सलाह-डिफेंस मत करना, गेंद मिले तो मार देना



नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मैच में अर्धशतक जड़ने वाले भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने शानदार बल्लेबाजी से सबका दिल जीता। उन्होंने तीसरे दिन शनिवार को करीब दो घंटे तक बल्लेबाजी की और 12 चौकों की मदद से 66 रन बनाए। आकाश की इस शानदार बल्लेबाजी के लिए कोच सिताशु कोटक से क्या सलाह मिली थी, इसका राज भी खुल गया है। आकाशदीप को लेकर बीसीसीआई ने रविवार को एक वीडियो जारी किया है, जिसमें भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सिताशु कोटक ने बताया कि जब वो होटल में मुझे लिफ्ट में मिला तो मैंने कहा कि आकाश अगर तुझे गुंडे गंदे पाले में मिले तो मार देना। डिफेंस नहीं करना, क्योंकि पिछली दो बार से तुम डिफेंस से चक्कर में आउट हो रहे हो। वीडियो में कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हमने उसे केवल एक चीज बोली थी कि जो गेंद रडार में हो तो रन बनाने को देखना। गिल ने वीडियो के अंत में कहा कि उसके 66 रन हमारे शतक से कम नहीं है। वीडियो में आकाशदीप ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा कि अर्धशतक तो मेरे लिए महत्वपूर्ण है ही, लेकिन उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने दो घंटे सुबह के सेशन बल्लेबाजी की। आकाश ने कहा कि मेरा माइंडसेट ऐसा था कि मुझे आउट नहीं होना। चाहे गेंद मेरे शरीर पर लगे, मुझे बस खेलना है। रोमांचक मोड़ पर अंतिम टेस्टभारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा अंतिम टेस्ट मैच रोमांचक मोड़ पर है। भारत ने इंग्लैंड के सामने 374 रनों का विशाल लक्ष्य रखा है, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 01 विकेट पर 50 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड को अभी जीत के लिए 324 रन और चाहिए जबकि भारत को 9 विकेट की दरकार है। तीसरे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी में 13.5 ओवर का ही खेल हो सका। मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड को पहला झटका देते हुए जैक कॉली (14 रन) को चलता किया। बेन डकेट 48 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद हैं। पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है।

3 सितंबर से शुरू होगा एशिया कप 2025, भारत-पाकिस्तान मुकाबला 14 सितंबर को होगा

लाहौर। भारत की मेजबानी में सितंबर में होने वाले एशिया कप 2025 का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। एशिया कप



को खेला जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने कहा है कि 2025 एशिया कप की मेजबान भारत कर रहा है पर ये मुकाबले दुबई और अबू धाबी में खेल जाएंगे क्योंकि पाकिस्तान की टीम भारत नहीं जाएगी। यह टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का पहला ग्रुप ए मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 10 सितंबर को दुबई में होगा। वहीं ग्रुप स्तर का अंतिम मैच ओमान के खिलाफ 19 सितंबर को अबू धाबी में होगा। एसीसी ने इस टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें एक सुपर फोर मैच 22 सितंबर को अबू धाबी में खेला जाएगा जबकि बाकी पांच सुपर फोर मैच और फाइनल 28 सितंबर को दुबई में खेले जाएंगे। वहीं ग्रुप चरण के बाद सुपर फोर के मैच खेले जाएंगे, जिसमें दूसरे दौर की शीर्ष दो टीमों फाइनल में उतरेंगी।

मार्केज की जगह कोच बने खालिद की पहली परीक्षा लेशंप कप फुटबॉल में होगी

नई दिल्ली। मनोलो मार्केज की जगह पर भारतीय फुटबॉल टीम के नये कोच बने



कोच टिक नहीं पाया है। मार्केज ने भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अचानक ही अपना पद छोड़ दिया था। खालिद अभी इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर हैं। नये कोच के लिए सबसे बड़ी परीक्षा नेशंस कप है। जिसमें वह चाहेगे कि टीम अच्छा प्रदर्शन करे। पिछले कुछ समय में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और लंबे समय तक किसी एक कोच के नहीं होने से भी टीम को नुकसान हुआ है। अब देखा है कि खालिद इस कमी को कैसे पूरा करते हैं। खालिद की साल 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।

लंदन,03 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने यहां जारी पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच में पहुंचकर टीम का हौसला बढ़ाया। मैच के तीसरे दिन स्टैंड में रोहित को देखतेर अन्य प्रशंसक उत्साहित नजर आये। रोहित मैदान के बाहर से ही खिलाड़ियों को सहायता करते हुए दिखे। इस मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि रोहित ने स्टैंड में बैठे होने के बाद भी एक खास संदेश देकर उनकी सहायता की। यशस्वी ने इस मैच में अपने करियर का छठा शतक लगाया। साथ ही कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी का पूरा आनंद लिया। साथ ही कहा कि रोहित ने उन्हें खेलते रहने का संदेश दिया था। यशस्वी ने मैच के बाद कहा, मैंने रोहित भाई को देखा और हाथ हिलाया। उन्होंने मुझे खेलते रहने का संदेश दिया। यशस्वी ने अपनी पारी और उसकी तैयारी को लेकर कहा, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए आगे बढ़ाते रहना बहुत जरूरी है। यह हमारी यहां आखिरी पारी थी। मानसिक रूप से, मैं अपने को आगे बढ़ाते रहने और जितना हो सके उतना स्कोर करने के लिए तैयार था। उन्होंने तेज़ गेंदबाज़ों के लिए सहायम पिच को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी की। इस क्रिकेटर ने कहा, पहली पारी में विकेट देखकर मैं सोच रहा था कि रन बनाने का सबसे अच्छा विकल्प क्या हो सकता है। मैं बस उसी तरह खेलने और सकारात्मक रहने का प्रयास कर रहा था। मेरा इरादा बहुत अच्छा था।

डिविलियर्स के शतक से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने डब्ल्यूसीएल फाइनल में पाकिस्तान को हराया

एजबेस्टन,03 अगस्त (एजेंसियां)। एबी डिविलियर्स के शतक से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) फाइनल में पाकिस्तान चैम्पियंस को हराकर ख़िताब जीत लिया है। पाकिस्तान चैपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज शार्जील ख़ान के 44 गेंदों में 76 रन की पारी की सहायता से 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए डिविलियर्स ने 60 गेंदों में तेजी से 120 रन बनाये। इससे अफ्रीकी चैपियंस ने पाकिस्तान चैपियंस को 9 विकेट से हरा दिया।

डिविलियर्स ने अपनी पारी के दौरान 12 चौके और 7 छक्के लगाए। इससे दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने जीत के लिए मिले 196 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में ही एक विकेट पर हासिल कर लिया। डिविलियर्स ने हाशिम अमला 18 रन के साथ पहले विकेट के लिए 6 ओवर में 72 रन बनाये और दूसरे विकेट के लिए जेपी डुमिनी नाबाद 50 रन के साथ 125 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

डिविलियर्स के सामने पाक चैपियंस के गेंदबाज बेवस नजर आये। डिविलियर्स ने इससे पहले इंग्लैंड चैपियंस के खिलाफ 41 गेंदों में शतक लगाया था जबकि 27 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया चैपियंस के खिलाफ 39 गेंदों में शतक बनाया था। न्होंने फाइनल मैच में पाकिस्तान चैपियंस के खिलाफ 47 गेंदों में 100 रन बना लिए। डिविलियर्स ने छह मैचों में कुल 431 रन बनाए और वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उन्हें इसी कारण फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी दिया गया।

रोहित शर्मा ने स्टैंड से ही बल्लेबाजी करते रहने का संदेश दिया : यशस्वी

लंदन,03 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने यहां जारी पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच में पहुंचकर टीम का हौसला बढ़ाया। मैच के तीसरे दिन स्टैंड में रोहित को देखतेर अन्य प्रशंसक उत्साहित नजर आये। रोहित मैदान के बाहर से ही खिलाड़ियों को सहायता करते हुए दिखे। इस मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि रोहित ने स्टैंड में बैठे होने के बाद भी एक खास संदेश देकर उनकी सहायता की। यशस्वी ने इस मैच में अपने करियर का छठा शतक लगाया।

साथ ही कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी का पूरा आनंद लिया। साथ ही कहा कि रोहित ने उन्हें खेलते रहने का संदेश दिया था। यशस्वी ने मैच

के बाद कहा, मैंने रोहित भाई को देखा और हाथ हिलाया। उन्होंने मुझे खेलते रहने का संदेश दिया। यशस्वी ने अपनी पारी और उसकी तैयारी को लेकर कहा, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए आगे बढ़ाते रहना बहुत जरूरी है। यह हमारी यहां आखिरी पारी थी। मानसिक रूप से, मैं अपने को आगे बढ़ाते रहने और जितना हो सके उतना स्कोर करने के लिए तैयार था। उन्होंने तेज़ गेंदबाज़ों के लिए सहायम पिच को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी की।

इस क्रिकेटर ने कहा, पहली पारी में विकेट देखकर मैं सोच रहा था कि रन बनाने का सबसे अच्छा विकल्प क्या हो सकता है। मैं बस उसी तरह खेलने और सकारात्मक रहने का प्रयास कर रहा था। मेरा इरादा बहुत अच्छा था।

दक्षिण अफ्रीकी की ही तरह हम भी पाकिस्तान को करारी हार देते : रैना

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में पाकिस्तान चैम्पियंस की करारी हार पर कहा कि अगर हम खेलते तो भी उन्हें इसी प्रकार हराते। भारतीय चैम्पियंस टीम ने डब्ल्यूसीएल में पाकिस्तान चैम्पियंस का बहिष्कार किया था। ऐसे में पाक टीम बिना खेले ही फाइनल में पहुंच गयी थी पर उसे खिताबी मुक़ाबले में दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस ने हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने शरजील खान के अर्धशतक से 195 रन बनाये। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम ने ये लक्ष्य 16.5 ओवर में ही एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। दक्षिा अफ्रीकी बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने इस मैच में शतक लगाते हुए 120 रनों की आक्रामक पारी खेली। पाकिस्तान की हार के बाद रैना ने सोशल मीडिया पर विलियर्स की पारी की जमकर प्रशंसा की और कहा कि अगर हम खेलते तो पाक को इसी तरह हराते। रैना ने सोशल मीडिया में लिखा, डी विलियर्स ने फाइनल में शानदार पारी खेलकर तहलका मचा दिया। अगर हम खेलते, तो हम भी इसी प्रकार हराते पर हमने अपने देश को सबसे ऊपर रखा। हर किसी ने हमारा समर्थन नहीं किया। यही असली चरित्र है।

ओवल टेस्ट

खराब रोशनी के कारण चौथे दिन का खेल रुका, रोमांचक मोड़ पर पहुंचा मैच



लंदन, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल में खेला जा रहा टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण चौथे दिन ही रोक दिया गया। इस समय इंग्लैंड जीत से केवल 35 रन दूर है, जबकि भारत को मैच जीतने के लिए 4 विकेट की जरूरत है। 1374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लिश टीम ने रविवार को दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट के नुकसान पर 339 रन बना लिए हैं। क्रीज पर जैमी स्मिथ 2 और जैमी ओवर्टन शून्य रन बनाकर नाबाद हैं। आज आउट होने वाले बल्लेबाजों में जो रूट (105 रन) और हैरी ब्रूक (111 रन) शामिल हैं।लंच से पहले, मोहम्मद सिराज ने ओली पोप (27 रन) और प्रसिद्ध कृष्णा ने बेन डकेट (54 रन)

को पवेलियन भेजा। भारतीय गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा अब तक 3 और मोहम्मद सिराज 2 विकेट ले चुके हैं।इससे पहले, भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए थे। इंग्लैंड अपनी पहली पारी में 247 रन पर ऑलआउट हो गया था, जिससे उसे 23 रन की बढ़त मिली थी। भारत ने अपनी पहली पारी में 224 रन बनाए थे।टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि एक ही सीरीज में 9 बल्लेबाजों ने 400 से अधिक रन बनाए हैं। मौजूदा सीरीज में भारत के 5 और इंग्लैंड के 4 बल्लेबाजों ने यह उपलब्धि हासिल की है।यह टेस्ट इतिहास की दूसरी ऐसी सीरीज है, जिसमें कुल 7,000 से ज्यादा रन बने हैं। इससे पहले, 1993 की एशेज सीरीज में 6 मैचों में 7,221 रन बनाए गए थे।



सिंगापुर में मिश्रित 4 गुणा 100 मीटर रिले में भाग लेती हुई अमेरिकी टीम।

फीफा ने भारत में शुरू की प्रतिभाओं की खोज हैदराबाद में युवाओं के लिए अकादमी शुरू की

नई दिल्ली,03 अगस्त (एजेंसियां)।

फीफा (फुटबॉल की वैश्विक संचालक संस्था) ने भारत के उभरते हुए प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने के मकसद से शनिवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहयोग से देश में युवाओं के लिए अपनी पहली प्रतिभा अकादमी की शुरुआत की। फीफा ने इस अकादमी के लिए एआईएफएफ और तेलंगाना सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह फुटबॉल के 'समावेशी और जमीनी स्तर के विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेगा'।

एआईएफएफ की एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह अकादमी यहां गाचीबावली स्टेडियम परिसर में स्थित होगी और 60 उत्कृष्ट खिलाड़ियों (अंडर 14 वर्ग के 30 लड़के और अंडर 16 वर्ग की 30 लड़कियों) को आवासीय सुविधाओं, शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य के साथ साल भर उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण प्रदान करेगी, जिसमें प्रत्येक वर्ग में तेलंगाना के 10 खिलाड़ी शामिल होंगे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इस शुरुआत को भारत में इस खेल के लिए के लिए एक 'निर्णायक क्षण' करार दिया।



चौबे ने कहा, लड़कियों के लिए भारत की पहली और लड़कों के लिए दूसरी फीफा कोशल अकादमी का शुभारंभ, समान फुटबॉल विकास की दिशा में हमारी यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। तेलंगाना सरकार के साथ फीफा की वैश्विक प्रतिभा विकास योजना के तहत यह सहयोग, पूरे देश से युवा प्रतिभाओं (खासकर लड़कियों) को पहचानने, पोषित करने और सशक्त बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यह अकादमी देश की अंडर-17 पुरुष और महिला फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के सपने को साकार करने में मदद करेगी। एआईएफएफ फीफा के साथ समन्वय में संचालन, तकनीकी डॉंचा, देश भर में प्रतिभा की खोज और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का नेतृत्व करेगा, जबकि तेलंगाना सरकार का खेल प्राधिकरण खिलाड़ियों के बुनियादी ढांचे, रसद, शिक्षा, वित्तीय और कल्याणकारी सहायता की देखरेख करेगी।

शैक्षिक योग्यता कम होने के कारण रिकू सिंह की बीएसए पद पर नियुक्ति अटकी

लखनऊ,03 अगस्त (एजेंसियां)।

क्रिकेटर रिकू सिंह को नौकरी का मामला फंस गया है। राज्य सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बीएसए पद पर उनकी नियुक्त करने की घोषणा की थी पर उनकी शैक्षिक योग्यता कम होने से इसमें परेशानी आ रही है। इस बारे में अधिकारियों का कहना है कि आगे जो भी निर्देश होंगे, उस आधार पर कदम उठाए जाएंगे। साथ ही कहा कि खेलों के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है और इस मामले में सभी जरूरी कदम उठाये जाएंगे। सरकार की योजना के तहत ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानजनक पुरस्कार राशि देने के साथ ही सरकारी नौकरी की सुविधा दी जा रही है। इसी के तहत ही जिन 11 खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों में नौकरी का प्रस्ताव दिया गया था, जिसमें रिकू सिंह को बेसिक शिक्षा अधिकारी का पद दिया गया था। रिकू को नौकरी में सबसे बड़ी बाधा उनकी शैक्षिक योग्यता



आड़े आ रही है। इस बारे में अधिकारियों का कहना है कि रिकू की फाइनल मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई थी पर पर्याप्त शैक्षिक योग्यता न होने से रोक दी गई है। रिकू से उनकी शैक्षिक योग्यता के

दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए पत्र भेजा गया था। जिसके बाद पूरी फाइनल मुख्यमंत्री के पास भेजी गयी थी पर शैक्षिक योग्यता की कमी के चलते फाइनल रोक दी गई है।

इस साल के अंत में भारत दौरे पर आयेंगे मेसी, सचिन और धोनी के साथ क्रिकेट खेलते दिखेंगे

कोलकाता। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी इस साल के अंत में भारत दौर पर आयेंगे। मेसी 13 से 15 दिसंबर के बीच अपने तीन दिन के भारत दौरे पर कोलकाता, दिल्ली और मुंबई जाएंगे। मेसी का कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर सम्मान भी किया जाएगा। अपने भारत दौरे में वह मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी , विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ क्रिकेट भी खेलते दिखेंगे। इस मुक़ाबले में मेसी को फुटबॉल की जगह पर क्रिकेट खेलते हुए देखने का आनंद लोगों को मिलेगा। क्रिकेट और फुटबॉल दोनों के ही प्रशंसकों के लिए एक अलग अहसास होगा। मुम्बई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा है कि मेसी 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। संभावना है कि वह पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों के साथ एक क्रिकेट मैच भी खेलेंगे। साथ ही कहा कि आयोजक आने वाले समय में पूरा कार्यक्रम जारी करेंगे। मेसी इससे पहले साल 2011 में भारत आए थे। तब उन्होंने कोलकाता के साट्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ एक मैत्री मैच खेला था।



भारत में पहली बार 12 दिवसीय ड्रेपर फाउंडर्स प्रोग्राम का समापन डेमो डे के साथ हुआ

हैदराबाद, 3 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत में पहली बार आयोजित ड्रेपर फाउंडर्स प्रोग्राम का उद्घाटन संस्करण शुक्रवार की रात हैदराबाद के गच्चीबोली में ड्रेपर स्टार्टअप हाउस इंडिया के द्वारा आयोजित डेमो डे के साथ संपन्न हुआ। यह 12 दिन का आवासीय एक्सेलेरेटर प्रोग्राम 14 उच्च क्षमता वाली स्टार्टअप के 16 संस्थापकों की पिच प्रस्तुतियों के साथ समाप्त हुआ।

इस समारोह का मुख्य आकर्षण था ड्रेपर हीरोज की घोषणा – रुषिकेश चावन, फिनस्टोन एआई के संस्थापक और आईआईटी हैदराबाद के छात्र, और शुभम शर्मा, जाल्टूस के संस्थापक, जिन्होंने प्रत्येक



को सैन फ्रांसिस्को में ड्रेपर यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित एक महीने के हीरो ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लेने के लिए 15,000 डॉलर की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

फिनस्टोन एआई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित स्वचालित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है, जो बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। जाल्टूस एक ब्लॉकचेन-आधारित फिनटेक बैंकर है, जो संस्थानों और सरकारों के लिए अगली पीढ़ी के वित्तीय उत्पाद बनाता है।

ये पुरस्कार टाई ग्लोबल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के चेयर मुरली बुक्कापट्टनम, रत्नाकर, विक्रान्त वर्धन, अनिश एंथोनी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा

प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मुरली बुक्कापट्टनम ने कहा, ड्रेपर स्टार्टअप हाउस ने टुटा हुआ हीरो खोज निकाले हैं। यहां मौजूद प्रत्येक संस्थापक महानता के कगार पर हैं। उन्होंने मेडिकल छात्रों और पेशेवरों के लिए करियर मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्रदान करने वाले अनूठे प्लेटफॉर्म सलाह शॉट्स का भी विशेष उल्लेख किया।

यह कार्यक्रम भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसने नवोन्मेषी उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान किया।

न्यूज़ बीफ

जुलाई में बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स बेची



नई दिल्ली। जुलाई महीने में स्वदेशी कंपनी बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जिसमें टू-हीलर और कमर्शियल व्हीकल्स दोनों शामिल हैं। बजाज ऑटो ने जुलाई 2025 की अपनी बिक्री रिपोर्ट जारी कर दी है, जिसमें कंपनी को कुल उपरिष्ठित की सालाना वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, यह बढ़त पूरी तरह एक्सपोर्ट से आई है क्योंकि घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई। टू-हीलर सेगमेंट की बात करें तो कंपनी ने इस कैटेगरी में कुल 2.96 लाख यूनिट्स बेची, जो लगभग पिछले साल के बराबर है। हालांकि, घरेलू बाजार में बिक्री 18प्रतिशत घटकर 1.39 लाख यूनिट्स पर आई, जबकि एक्सपोर्ट में 22प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह संख्या 1.57 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि विदेशी बाजारों में कंपनी की पकड़ मजबूत होती जा रही है, जबकि घरेलू बिक्री दबाव में है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में कंपनी की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर रही। इस सेगमेंट में बजाज की कुल बिक्री 23प्रतिशत बढ़कर 69,753 यूनिट्स रही। घरेलू बाजार में बिक्री में 4प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई और कुल 43,864 यूनिट्स बिकी। वहीं, निर्यात में जबरदस्त 79प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और 25,889 यूनिट्स एक्सपोर्ट की गई। कंपनी की घरेलू कमर्शियल व्हीकल सेल्स में गिरावट जरूर रही, लेकिन निर्यात के अच्छे प्रदर्शन ने कुल आंकड़ों को सकारात्मक बनाए रखा। कुल मिलाकर, जुलाई 2025 में बजाज ऑटो की बिक्री में हल्की बढ़त देखने को मिली।

होंडा की सीबी125 हॉर्नेट की कीमत 1.12 लाख से शुरू



नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी नई बाइक 125सीसी स्पोर्टी कम्प्यूटर बाइक सीबी125 हॉर्नेट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.12 लाख रुपये रखी गई है। सीबी125 हॉर्नेट में वही 123.94सीसी का एयर-कूलड सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो एसपी 125 और शाइन 125 में मिलता है। हालांकि, इसे 11.एचपी की पावर और 11.2एनएम टॉर्क देने के लिए बेहतर तरीके से ट्यून किया गया है। यह इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। इस बाइक की सबसे खास बात इसका गोल्डन यूपरडी फॉर्क है, जो 125सीसी सेगमेंट में पहली बार देखने को मिला है। इसके अलावा इसमें प्रीलोड-एडजस्टेबल मोनोशॉक सस्पेंशन, फ्रंट डिस्क ब्रेक (240एमएम), सिंगल चैनल एबीएस और रियर ड्रम ब्रेक मिलते हैं। बाइक का कुल वजन 124 किलोग्राम है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे हल्की बाइकों में से एक बनाता है, हालांकि यह एसपी 125 और शाइन 125 से भारी है। बाइक में पूरी तरह एलईडी लाइटिंग दी गई है, जिसमें एक खास डिजाइन वाली एलईडी हेडलाइट शामिल है। यह बाइक रेड, येलो, ब्लू और ब्लैक कलर ऑप्शन के साथ आएगी। इसका मुकाबला टीवीएस रेडर 125, हीरो एक्सट्रीम 125आर और बजाज पल्सर एन 125 से होगा। सीबी125 हॉर्नेट में 4.2 इंच का टोपफेटी डिस्प्ले है, जो ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ आता है।

केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स ने शुरू की अत्याधुनिक वेस्टिबुलर लैब



इंदौर। इंदौर के केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स ने मध्य भारत की सबसे आधुनिक वेस्टिबुलर लैब लॉन्च की है, जो चक्कर, असंतुलन और भ्रम जैसी समस्याओं का सटीक निदान और इलाज करेगी। यह लैब न्यूरोइंजिलिब्रियम के सहयोग से स्थापित की गई है, जो विश्व की सबसे बड़ी वर्टिगो क्लीनिक श्रृंखला है। वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आशीष बागडी ने बताया कि लोग अक्सर इन समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। यह नई लैब अत्याधुनिक तकनीकों, जैसे का उपयोग करके संतुलन प्रणाली की गड़बड़ियों का गहराई से पता लगाएगी। इससे हर मरीज के लिए एक विशिष्ट और प्रभावी इलाज योजना तैयार की जा सकेगी।

भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट बढ़ाया दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की कोशिश

यह वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के देशों पर अमेरिकी प्रोडक्ट पर लगने वाले टैक्स को कम करने का दबाव डाल रहे हैं। साथ ही अमेरिकी उत्पादों के आयात को बढ़ाने की बात कह रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही ट्रंप ने भारत के प्रोडक्ट पर 25 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इन सब के बीच भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट को काफी बढ़ा दिया है। इस कदम को दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की स्थिति बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेजी से इजाफा किया है। जनवरी से जून 2025 में भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 51 फीसदी बढ़ाया है, जो दोनों देशों के बीच उभरती ऊर्जा साझेदारी को दर्शाता है। यू.एस. की मांगें तो यह बढ़त फरवरी 2025 में वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा है। इस समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी ऊर्जा आयात को 15 अरब डॉलर से बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने की बात कही थी, साथ ही दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 200 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत का अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 114 फीसदी बढ़कर 3.7 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.73 अरब डॉलर था। जुलाई 2025 में यह रफ्तार और बढ़ी जब अमेरिका से कच्चे तेल का



आयात जून की तुलना में 23 फीसदी ज्यादा रहा। इससे अमेरिका का हिस्सा भारत के कुल कच्चे तेल आयात में 3 फीसदी से बढ़कर 8 फीसदी हो गया है।

भारत ने अमेरिका से तरल प्राकृतिक गैस के आयात को भी बढ़ाया है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में एलएनजी आयात 1.41 अरब डॉलर से बढ़कर 2.46 अरब डॉलर हो गया। आईसीआरए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के मुताबिक अमेरिकी एलएनजी की कीमत हैनरी हब बेंचमार्क पर आधारित होने के कारण अन्य स्रोतों की तुलना में ज्यादा कॉम्पिटिटिव है। साथ ही अमेरिका में कई नए एलएनजी प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियों लांजा टर्म कॉन्ट्रैक्ट के लिए अमेरिका की ओर रुख कर रही हैं।

ट्रंप प्रशासन ने सत्ता संभालते ही एलएनजी निर्यात लाइसेंस पर बाइडेन सरकार द्वारा लगाई गई रोक को हटा दिया था। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन का अनुमान है कि 2028 तक अमेरिका की एलएनजी निर्यात क्षमता दोगुनी हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा

एजेंसी का अनुमान है कि 2030 तक भारत वैश्विक तेल मांग वृद्धि का सबसे बड़ा ड्राइवर बन जाएगा और एलएनजी की मांग 78 फीसदी बढ़कर 64 अरब घन मीटर सालाना हो जाएगी। ऐसे में भारत की अमेरिकी ऊर्जा की ओर बढ़ती निर्भरता रणनीतिक दृष्टि से अहम है।

बता दें रूस भारत का सबसे बड़ा एनर्जी एक्सपोर्ट है। हाल के दिनों में भारत ने रूस से पेट्रोलियम प्रोडक्ट की खरीद को काफी बढ़ाया था, लेकिन बदले हालात में जब भारत अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट को बढ़ा रहा है तो इसका सबसे ज्यादा असर रूस पर पड़ सकता है। भारत का रूस से जारी तेल आयात अमेरिका के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर दबाव बढ़ाया है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए मॉस्को के साथ अपनी ऊर्जा साझेदारी पर पुनर्विचार करें। ट्रंप और उनके मंत्रियों की ओर से भारत-रूस एनर्जी ट्रेड पर खुले तौर पर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तमिलनाडु की चुनावी ...

चिदंबरम का बयान और कांग्रेस की नीति तब और हास्यास्पद हो जाती है, जब राहुल गांधी की सामने आती है। राहुल गांधी दिल्ली के स्थाई निवासी हैं, लेकिन वे केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ चुके हैं। अगर राहुल गांधी दिल्ली में रहकर दूसरे राज्यों में वोटर बन सकते हैं और चुनाव लड़ सकते हैं, तो बिहारी मजदूर तमिलनाडु में वोटर क्यों नहीं बन सकते? क्या नियम सिर्फ बिहारियों के लिए अलग हैं? भारत का कानून साफ कहता है कि कोई भी नागरिक, जो किसी जगह पर सामान्य रूप से रहता है, वहां वोटर बन सकता है। इसके लिए फॉर्म 6 भरना होता है, जिसमें निवास स्थान बदलने की अर्जी दी जाती है। और ये जरूरी नहीं कि आपके पास अपना मकान हो। किराए के घर में रहने वाला भी वोटर बन सकता है।

बिहार की...

यानि यहां 100 लोगों की आबादी पर 126 आधार कार्ड जारी किए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के हिसाब से देखें तो किशनगंज की आबादी 20,26,541 है लेकिन वहां 21,31,172 आधार कार्ड बनाए जा चुके हैं। मतलब यहां आबादी से 1 लाख से भी ज्यादा आधार कार्ड बनाए गए।

जाहिर है कि ये आंकड़े बताते हैं कि या तो फर्जी आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं या अवैध घुसपैठियों को आधार कार्ड जारी किए गए हैं। किशनगंज की सीमा नेपाल से लगी हुई है और जिस सीमांचल क्षेत्र में यह स्थित है उसमें लंबे समय से अवैध घुसपैठ की समस्या रही है। पश्चिम बंगाल की सीमा पर बसा किशनगंज देश की आजादी के वक्त हिंदू बहुल जिला हुआ करता था लेकिन आजादी के बाद के दशकों में यहां की डेमोग्राफी तेजी से बदली है। किशनगंज में मौजूदा वक्त में मुस्लिम की आबाद करीब 70 प्रतिशत है, इसमें बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या अधिक है। किशनगंज से बांग्लादेश की

दूरी भी बहुत ज्यादा नहीं है। बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता से बेदखली के बाद अवैध घुसपैठ में तेजी आ गई है। जुलाई महीने में ही किशनगंज में अलग-अलग जगहों पर 4 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया। ये लोग अवैध घुसपैठ कर यहां पहुंचे और लोगों के घरों में काम कर यहीं स्थाई तौर पर बसने का प्लान बना रहे थे। यहां बसने के लिए बांग्लादेशी अपना नाम तक बदल लेते हैं और फर्जी कागजात बनवाते हैं। एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान भी किशनगंज में ऐसे बहुत लोग मिले जो नेपाल, बांग्लादेश या म्यांमार से यहां आए थे और अब इन लोगों ने यहीं पर आधार कार्ड और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज बनवा लिए हैं।

इस तरह भी ध्यान देते चलें कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया था कि चुनावी राज्य बिहार में प्रकाशित संशोधित मसौदा मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। हालांकि, चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से तेजस्वी का विवरण साझा करके इस आरोप का तुरंत खंडन कर दिया। लेकिन इसी खोजबीन में तेजस्वी यादव के दो-दो वोटर कार्ड सामने आ गए। तेजस्वी ने खुद ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी चलाई। तेजस्वी यादव ने बताया कि ईपीआईसी नंबर (आरएबी-2916120) और चुनाव आयोग की ओर से जारी ईपीआईसी नंबर (आरएबी-0456228) दोनों अलग-अलग हैं। इसके बाद ही यह भेद खुला कि तेजस्वी यादव के नाम के दो वोटर कार्ड हैं। चुनाव आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी गहराई से जांच शुरू कर दी है।

दिलचस्प यह है कि तेजस्वी यादव ने 2020 के विधानसभा चुनाव में नामांकन के लिए जो हलफनामा भरा था, उसमें उन्होंने ईपीआईसी नंबर आरएबी-0456228 का इस्तेमाल किया था। वहीं ईपीआईसी नंबर 2015 की मतदाता सूची में भी मौजूद था और हाल ही में जारी की गई मसौदा सूची में भी उनका नाम इसी नंबर के साथ है। फिर तेजस्वी यादव

एक अलग ईपीआईसी नंबर (आरएबी-2916120) का हवाला कैसे और क्यों दे रहे हैं? इसकी छानबीन की जा रही है। तेजस्वी यादव के दो-दो वोटर आईडी प्रकरण पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, तेजस्वी यादव के पास दो मतदाता पहचान पत्र थे तो क्या उनके पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं? सर्वोच्च नेता के पास 2 ईपीआईसी नंबर हैं, तो कार्यकर्ताओं का हाल क्या होगा? क्या इसीलिए वे एसआईआर से डरते हैं? कांग्रेस और राजद के नेता और उनके कार्यकर्ता, जो बुध केच्चेरिंग और गुंडागर्दी के दम पर जीतने के आदी थे, उनका पूरा खेल उजागर हो गया है।

संबित पात्रा ने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस और राजद चुनाव आयोग पर तीखा हमला कर रहे हैं, वह भारत को बदनाम करने की एक साजिश है। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची के बारे में मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने रोते हुए कहा कि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो क्या वह बिहार चुनाव में हिस्सा ले सकेंगे? इसके बाद, चुनाव आयोग और पटना डीएम ने सच्चाई उजागर की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का नाम और मतदाता पहचान पत्र संख्या मौजूद है, और एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची से उनका नाम नहीं काटा गया है। चुनाव आयोग ने आगे कहा कि मतदाता सूची में क्रमांक 416 पर जिस मतदाता पहचान पत्र संख्या से उनका नाम प्रकाशित हुआ था, वह वही है जो उन्होंने 2020 के चुनावों के दौरान अपने नामांकन पत्र में लिखा था। इसका मतलब है कि उसके पास दो ईपीआईसी नंबर थे। क्या उसके पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं?

मतदाता सूची ...

के लिए की जा रही है। वहीं, निर्वाचन आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया देशभर में लागू की जाएगी ताकि केवल योग्य

मतदाता ही वोट डाल सकें और मतदाता सूची की विश्वसनीयता बनी रहे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे 'वोट चोरी' करार दिया है। इसी ने शनिवार को उनके आरोपों को बेबुनियाद, बिना सबूत और भ्रामक बताया।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि एसआईआर चुनाव आयोग का प्रशासनिक कार्य है और संविधान के मुताबिक, संसद को इसी की कार्यप्रणाली पर चर्चा करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ का हवाला देते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर संसद में बहस नहीं हो सकती। रिजिजू ने कहा, अगर संसद में चर्चा होती है तो आमतौर पर संबंधित मंत्री जवाब देते हैं। लेकिन इसी एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है, उसका कोई मंत्री नहीं होता।

इस बीच, लोकसभा में राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक लाया गया है, जिसका उद्देश्य देश में खेल संगठनों की कार्यप्रणाली में परदर्शिता और जवाबदेही लाना है। इसके अलावा राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक भी सूचीबद्ध है, जो खेलों में डोपिंग रोकने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। राज्यसभा में भी सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से अगले 6 महीनों तक बढ़ाने का प्रस्ताव चर्चा के लिए रखा गया है। 21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र में अब तक संसद की कार्यवाही लगभग ठप रही है। केवल पहलगाम आतंक हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर ही दोनों सदन में दो दिन तक चर्चा हो सकी। सरकार के एक वरिष्ठ सूत्र के मुताबिक, अगर विपक्ष का विरोध जारी रहता है तो सरकार हंगामे के बीच ही विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

फिर सतह पर...

बोला और आरोप लगाया कि उन्होंने नालगोंडा जिले में पार्टी को नुकसान पहुंचाया और उनके खिलाफ आपत्तिजनक

मल्टीबैगर स्टॉक पांच हिस्सों में करेगी शेयरों का बंटवारा



नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

पिछले एक साल के दौरान कुछ कंपनियों ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया। उसमें मल्टी

कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड भी एक है। अब इस मल्टीबैगर

स्टॉक के शेयरों का बंटवारा करने जा रही है। एमसीएक्स ने

एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपए के फेस

वैल्यू वाले एक शेयर को पांच हिस्सों में बांटा जाएगा। इस

स्टॉक सिलट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2

रुपए प्रति शेयर हो जाएगी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड के शेयर इस महीने एक्स-

डिविडेंड भी ट्रेड करंगे। कंपनी ने कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू

10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड

वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए एमसीएक्स ने 8 अगस्त की तारीख तय की है। बीते 3 महीने के दौरान इस डिविडेंड स्टॉक की कीमतों में 23 फीसदी का उछाल आया। वहीं, 1 साल से एमसीएक्स के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों का पोर्टफोलियो 73 फीसदी बढ़ा है।

बता दें शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर इस मल्टीबैगर स्टॉक का भाव 1.31 फीसदी की गिरावट के बाद 7594.35 रुपए था। बता दें बीते एक महीने के दौरान इस स्टॉक में मुनाफावसूली जमकर देखने को मिली है। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 16 फीसदी गिरा है। 2 साल में एमसीएक्स के शेयरों की कीमतों में 364 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। वहीं पांच साल में कंपनी के शेयरों का भाव 347 फीसदी बढ़ा।

टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, क्या किसी आर के बिना बीआरएस में किसी नेता की पहचाना है? किसी आर ने ही हम सबको जनता से मिलवाया।

बीआरएस में अंदरूनी विवाद मई महीने में भी उस समय सामने आया था, जब कविता ने अपने पिता और पार्टी प्रमुख को लिखे गए एक निजी पत्र के लीक होने पर नाराजगी जताई थी। उस समय उन्होंने कहा था कि पार्टी में षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। उन्होंने किसी आर को चौतरफा राक्षसों से घिरा भगवान बताया था।

कर्नल पुरोहित...

अदालत के फैसले के बाद वह एक निर्दोष व्यक्ति के रूप में अपने घर लौट रहे हैं। इसलिए हमें उनका स्वागत करना चाहिए। हमने यहां सभी व्यवस्थाएं की हैं। एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने 31 जुलाई 2025 को साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सातों आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत पेश नहीं कर सका। मालेगांव ब्लास्ट मामले में शुरुआत में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से सात पर ही आरोप तय हुए और मुकदमा चला। बाकी सात को पहले ही रिहा कर दिया गया था।

29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में एक मस्जिद के पास खड़ी मोटरसाइकिल में विस्फोट हुआ था। धमाके में छह लोगों की मौत हुई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस मामले में आरोपियों पर यूएपीए, आईपीसी की धारा 302 और आपराधिक साजिश के तहत केस दर्ज किया गया था।

मंत्री के खिलाफ...

अदालत ने सबूत के तौर पर मंत्री के विवादित बयान का वीडियो भी स्वीकार कर लिया, जो एक पेन ड्राइव में है। इससे पहले केटीआर ने कोडा सुरेखा को नोटिस भेजकर उनके बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की थी।



हैदराबाद, 3 अगस्त (शुभ लाभ व्यूरो)। अग्रसेन सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड ने आज गगनपहाड़, राजेंद्र नगर में एकआर कॉम्प्लेक्स में अपनी 9वीं शाखा का भव्य उद्घाटन किया। इस शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री एन. रामचंद्र राव, तेलंगाना बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता ने किया। इस अवसर पर बैंक के विस्तार और ग्राहकों के लिए बेहतर सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री एन. रामचंद्र राव ने इस अवसर पर अग्रसेन सहकारी शहरी बैंक को गगनपहाड़ क्षेत्र में अपनी 9वीं सालगिर्य के लिए बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। सहकारी शहरी बैंक इस स्थिति को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह बैंक अपनी गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों का विश्वास जीत रहा है और आर्थिक विकास में योगदान दे रहा है। इस अवसर पर तेलंगाना की दिव्या शक्ति ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री रविंद्र कुमार अग्रवाल ने बैंक के स्ट्रॉंग रूम और सेफ डिपॉजिट लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया। यह सुविधा ग्राहकों को अपनी मूल्यवान संपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए एक विश्वसनीय विकल्प प्रदान करेगी। विनय आर. साबू, प्रबंध निदेशक-आरकेएस मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, और मोतीलाल जैन भालगत, चेयरमैन-नमिश्री ग्रुप ऑफ कंपनीज, ने बैंक की अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन किया। ये सुविधाएं ग्राहकों को आधुनिक और सुगम बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए शुरू की गई हैं। बैंक के चेयरमैन श्री प्रमोद कुमार केडिया ने इस अवसर पर बैंक की भविष्य की योजनाओं को साझा किया। उन्होंने कहा, अग्रसेन सहकारी शहरी बैंक नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

अग्रसेन बैंक कई जमा योजनाएं भी पेश करता है, जिसमें 555 दिनों की जमा योजना पर 9% ब्याज दर (वरिष्ठ नागरिकों के लिए 9.5%) और लंबी अवधि के बचत लक्ष्यों में सहायता के लिए डिज़ाइन की गई फ्यूचर स्टार्स आरडी योजना शामिल है।



रविवार को हैदराबाद के गगनपहाड़ में अग्रसेन बैंक की 9वीं शाखा के भव्य उद्घाटन के अवसर पर, भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष और तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एन. रामचंद्र राव, अग्रसेन बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, अग्रसेन बैंक के निदेशक मंडल एवं अन्य गणमान्य।

उन्होंने कहा कि हम आगामी गुरुवार दि. 17 अगस्त 2025 को कुकटपल्ली में अपनी 10वीं शाखा और सितंबर 2025 में मधापुर में एक और शाखा खोलने

जा रहे हैं। इसके अलावा, हम जल्द ही एक उपयुक्त स्थान पर एक और शाखा खोलेंगे, जो आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय रूप से मजबूत और

अच्छी तरह से प्रबंधित (एफएसडब्ल्यूएम) श्रेणी के तहत होगी।वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि निर्बाध ग्राहक सेवा और वित्तीय समावेशन

सुनिश्चित करने के लिए अग्रसेन बैंक प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत नेतृत्व टीम और समर्पित कर्मचारियों के साथ, अग्रसेन बैंक अपने सदस्यों के बीच अपनी उपस्थिति और विश्वास को मजबूत करना जारी रखे हुए है।

यह विस्तार बैंक की निरंतर सफलता को दर्शाता है, जो इसके मूल्यवान श्रेयधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों के समर्थन से संभव हुई है।

उद्घाटन समारोह में बैंक के निदेशक मंडल के सदस्यों ने भाग लिया, जिन्हें शामिल थे: सीए नवीन कुमार अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), सुशेख कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), नारायण दत्त (चेयरमैन-प्रबंधन समिति (बीओएम), निदेशक: नरसिंग दास, गोपाल चंद अग्रवाल, मंशेख कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती अंजू केडिया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए पंकज कुमार अग्रवाल, और महावीर पिट्टी (प्रबंधन समिति के सदस्य)।

समारोह में कई विशेष अतिथि भी उपस्थित थे, जिनमें रमेश कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, रमेश बंग, वी. नरसिम्हा रेड्डी, किशन अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, अरुण डकोटिया, रामदेव अग्रवाल, श्री राम प्रकाश नगला, थोकाला श्रीनिवास रेड्डी, सदानंद यादव, जय हिंद यादव, ए. जीतेंद्र, राम मोहन गौड़, वेंकट राव, और ई. अशोक शामिल थे।

इस अवसर पर बैंक के महाप्रबंधक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी.वी. राव, उपमहाप्रबंधक आनंद अग्रवाल, सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक, और बैंक के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

अग्रसेन सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड की यह नई शाखा गानापहाड़ क्षेत्र के निवासियों और व्यवसायियों के लिए आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करेगी। बैंक की यह पहल न केवल स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाएगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी योगदान देगी। बैंक की भविष्य की योजनाएं इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं कि यह ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने और अपने नेटवर्क का विस्तार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

‘एक शाम गौमाता के नाम’ जागरण सम्पन्न

श्री आईजी गौशाला में भक्ति और समर्पण का आयोजन



हैदराबाद, 3 अगस्त
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

कापरा मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल द्वारा परम पूज्य गुरुदेव कैलाशनाथजी महाराज के साप्तिध्व में 'एक शाम गौमाता के नाम' जागरण का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गौसेवा के प्रति समर्पण और गौमाता की महता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

श्री सालासर बालाजी भक्त
मंडल के संरक्षक विकास शर्मा
द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,
जागरण की शुरुआत श्री सालासर
बालाजी और श्री आईमाताजी की
तस्वीर पर माल्यार्पण और ज्योत
प्रज्वलन के साथ हुई। भजन सम्राट
संत गुलाबनाथजी महाराज ने
गौमता के चरणों में भक्त भजनों
के पृष्ठ अर्पित किए। उनके द्वारा

प्रस्तुत भजनों जैसे गुरु मेहर करो
और धरु आपरों ध्यान ने देर रात
तक श्रद्धालुओं को भक्ति रस में
डुबोए रखा। संत गुलाबनाथजी ने
भजनों और कथाओं के माध्यम से
गौमाता की महत्ता और उनके
संरक्षण के महत्व को विस्तार से
बताया।

कार्यक्रम में पथारे सभी भक्तों के लिए गौशाला परिसर में भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई, जिसने समुदाय के बीच एकता और सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रमताओं ने फूलों की वर्षा के साथ भक्तों का स्वागत किया, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी भक्तिमय हो गया।

जागरण में उपस्थित सम्मानित अतिथियों और गौशाला के पदाधिकारियों का पुष्प-माला और शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। सम्मानित अतिथियों में- परम पूज्य

गुरदेव कैलाशनाथजी महाराज, रुक्मनरामाढ शेखावटी, संत गुलाबनाथजी महाराज, गोशाला पदाधिकारी:- अध्यक्ष: मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष: कालूराम काग, सचिव: हुबमाराम सानपुरा, कोषाध्यक्ष: नारायणलाल परिहार, सह-सचिव: ढगलाराम सेपटा, किशनलाल पंवार और मारवाडी युवा मंच मेड़चल के कैलाश प्रजापति (रक्तदान शिविर में 22 यूनिट रक्त संग्रह के लिए), सर्व समाज के गणमान्य- दुधाराम बाबल, मोहनलाल हाम्बड, धर्मराम ढाका, शांतिलाल सुथार, भगाराम मुलेवा, पारसमल शर्मा, जगदीश, कालुसिंह राजपुरोहित, श्री बस्तीराम जांगिड़ तथा राजस्थानी गैर मंडली बिरमुगडा से परमेश्वर वैष्णव, राकेश चौयल, चन्द्र प्रकाश गेहलोत शामिल थे।

मारवाड़ी युवा मंच मेड़चल द्वारा

आयोजित रक्तदान शिविर में 22 यूनिट रक्त संग्रह के लिए कैलाश प्रजापति को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह प्रयास सामाजिक सेवा और मानवता के प्रति मंच की प्रतिबद्धता के दार्शाता है। कार्यक्रम की सफलता में श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल और गौशाला की कार्यकारिणी का विशेष योगदान रहा। भक्त मंडल के प्रमुख पदाधिकारियों में – संरक्षक: विकास शर्मा, श्रवण पारीक, अध्यक्ष: महेश सेनी, उपाध्यक्ष: दामोदर शर्मा, श्री सम्पत पारीक, सचिव: ओमप्रकाश चौधरी, सह-सचिव: नंदसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष: किशोर शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष: जयप्रकाश शर्मा और सदस्य में – श्री सुरेन्द्र सेनी, श्री अर्जुनसिंह, श्री के.के. बन्ना, श्री नरेश अग्रवाल, श्री ईश्वरदास सिंह, श्री करण सिंह, श्री कमल भाटी,

श्री विक्रम सिंह, श्री मनोहर सिंह,
श्री पुण्ड्रेन्द्र सिंह राजपुरोहित, श्री
उदय कुमार भाटी, श्री शशिकांत
शर्मा, श्री कानाराम जांगोड़,
ढंगलाराम सेपटा, श्री मदन सिंह,
श्री राकेश वैष्णव, श्री दुलीचन्द
शर्मा, श्री प्रकाश जाट, श्री महावीर
हरितवाल, श्री दीपक पाण्डेय, श्री
नरेन्द्र सांखला, श्री नरेश
खण्डेलवाल, श्री केदार शर्मा, श्री
राजेश प्रजापत, श्री भंवरलाल
जांगोड़, श्री गोपाल सैनी, श्री
इन्द्रपाल सैनी, श्री आनन्द कुमार
शर्मा, श्री विकास जाट, श्री सुनील
कुमार शर्मा, श्री कपिल शर्मा, श्री
गौरव सैनी, श्री पुनीत शर्मा, श्री
अमित सहल, श्री घांसिराम जाट,
श्री सौरभ सैनी, श्री नरधु सिंह,
मृतली दाधीच लिचंगा शामिल थे।

कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी द्वारा किया गया। साथ ही, क्लिक मैजिक और राठौड़ साउंड (श्री भगवानाराम राठौड़ और श्री बबलू) द्वारा लाइव यूट्यूब प्रसारण किया गया, जिसने इस भक्ति आयोजन को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाया। मंच संचालन श्री मदन सिंह शेखावट ने कुशलतापूर्वक किया।

कार्यक्रम का समापन भव्य महाआरती के साथ हुआ, जिसमें सभी भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने न केवल गौमाता के प्रति श्रद्धा को बढ़ाया, बल्कि सामुदायिक एकता और भक्ति के महत्व को भी रेखांकित किया।

‘एक शाम गौमाता के नाम’
जगन्गण ने श्री आईजी गौशाला को
भक्ति और सेवा का कदम बनाया।
श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल
और गौशाला की कार्यकारिणी के
सहयोग से यह आयोजन गौसेवा
और सामाजिक एकता के प्रति एक
प्रेरणादायक कदम साबित हुआ।
इस तरह के आयोजन ने केवल
धार्मिक भावनाओं को मजबूत
करते हैं, बल्कि समाज में
सुरक्षात्मक बदलाव लाने में भी
महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



चितल श्रावण की सैर के चार ज्योतिर्लिंग दर्शन करने वाले भक्तों का भव्य स्वागत किया गया। इन भक्तों ने भीमाशंकर, त्र्यंबकेश्वर, वृष्णेश्वर और वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। इस अवसर पर स्वागत के लिए उपस्थित लोगों में मांगीलाल काग, कालूराम काग, भूराम काग, भंवरलाल मुलेवा, केसाराम, भानाराम सेपटा, प्रभुराम हांबड़, गोपाराम प्रभुराम, रावतराम काग, कानाराम गेहलोती, दीपाराम, भंवरलाल राठोड़, मानक चंद्र कुमावत, महिला मंडल और अन्य शामिल थे।

रामनिवास बृजगोपाल भूतड़ा परिवार (फाइनकैब) द्वारा

श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 13 से

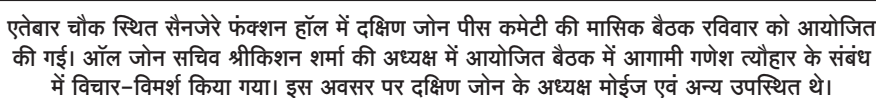


हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ व्यूरो)
रामनिवास बृजगोपाल भूतड़ा परिवार (फाइनकैश)
द्वारा आगामी रविवार दि. 13 से 17 अगस्त तक
पूजन फॉर्म, गगन पहाड़ रोड, शमशाबाद में श्री
शिव महापुराण कथा का एक धार्मिक एवं
सांस्कृतिक आयोजन की तैयारी जोरों पर है।

इस पानन अवसर पर प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा अपने मुवाविंद से भक्तों को कथा का रसपान कराएँगे। यह आयोजन धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। श्री शिव महामुपराण कथा का आयोजन इस क्षेत्र के श्रद्धालु भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है, जो भगवान शिव की मुहिमा और उनके जीवन से जुड़ी शिक्षाओं को सुनने एवं समझने का अवसर प्रदान करेगा। यद्यपि आयोजन पूरन फार्मिस, गगन पहाड़ रोड, शमशाबाद में आयोजित किया जाएगा, जहाँ भक्तगण बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजक एवं प्रमुख व्यक्तित्व, रामनिवास बज्रगोपाल भूतड़ा परिवार (फाइनकेस) के सदस्य

की एक बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। जिसमें- भगवान शिव का जीवन एवं महिमा, धर्म और अध्यात्म का महत्व, समाज में सद्भाव और एकता, भक्त और भगवान के बीच संबंध, जीवन में धर्म का पालन और आध्यात्मिक उन्नति शामिल हैं। यह चर्चा आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं को ज्ञान और प्रेरणा प्रदान करेगी।

प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा अपने मुख-
पाविंद से भक्तों को भगवान शिव की कथाओं
का श्रवण कराते हुए, उनके जीवन में व्याप्त
अंधकार को प्रकाश में लाएंगे। उनके प्रवचन में
भक्ति और श्रद्धा का समावेश होगा, जो सभी
श्रद्धालुओं के मन को स्पर्श करेगा। यह कथा
आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक
है, बल्कि यह समाज में सद्भाव, प्रेम और
एकता का संदेश भी फैलाएगा। सभी भक्तों से
आग्रह किया गया है कि वे इस शुभ अवसर
का लाभ उठाएं और भगवान शिव की कृपा प्राप्त
करें।



श्रमिकों ने यह बात एजेंसी
श्रीधर को बताई, जिन्होंने तुरंत
एजीएम किया। श्रीनिवास के
सूचित किया। श्रीनिवास के
आदेश पर, एरिया वर्कशॉप के
डीजीएम रविंदर ने एक क्रेन और
एक वाहन की व्यवस्था की।
इसके बाद, सांड को क्रेन की
मदद से एक लॉरी में लादकर
इलाज के लिए देखभाल केंद्र ले
जाया गया।

गोदावरी के पानी का पूरा उपयोग करेगी कांग्रेस सरकार : उत्तम कुमार रेड्डी

रामगुंडम लिफ्ट सिंचाई योजना का शुभारंभ

पेदापल्ली, 3 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार गोदावरी नदी में तेलंगाना को आवंटित 968 टीएमसी पानी के हिस्से का पूरी तरह से उपयोग करने और उत्तरी तेलंगाना के हर कोने तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। वे पेदापल्ली जिले के अंतर्गत मंडल के गोलीवाड़ा में रामगुंडम लिफ्ट सिंचाई योजना का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस दौरान उनके साथ



मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, दुद्रीला श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल, स्थानीय विधायक और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अंबेडकर चौक पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि 75 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह रामगुंडम लिफ्ट सिंचाई योजना अंतर्गत, मुख्य,

ब्राह्मणापल्ली, येल्छंपल्ली सोमनापल्ली, मदीरला, थोत्तापुरम, कुकला गुरुद और निचूर सहित कई गांवों में 13,000 एकड़ से अधिक भूमि की सिंचाई करेगी। उन्होंने घोषणा की कि पत्तीपाका जलाशय की डीपीआर तैयार करने के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिससे 2.4 लाख एकड़ भूमि स्थिर होगी और 10,000 एकड़ नई

सिंचित भूमि का निर्माण होगा। मंत्री ने कहा कि सरकार तुम्मिदिहड़ी बैराज का निर्माण फिर से शुरू करेगी और मन्थाणी, रामगुंडम और पेदापल्ली के लिए पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु इचमपल्ली में एक नया प्रोजेक्ट शुरू करेगी।

उन्होंने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कालेश्वरम प्रोजेक्ट पर 1 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन इससे पेदापल्ली जिले को पानी नहीं मिल सका। उन्होंने यह भी बताया कि इस परियोजना पर घोष आयोग की रिपोर्ट को कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा, और सरकार एनडीएसए द्वारा कमजोर नींव वाले बताए गए

तीन बैराजों की मरम्मत करेगी।

रेड्डी ने कहा कि सरकार तेल पाम की खेती को प्रोत्साहित कर रही है और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कार्यक्रम चलाएगी। उन्होंने रामगुंडम में एक विशेष औद्योगिक वार्ड स्थापित करने, इंदिरा घरों के लिए उपलब्ध सिंगरेनी भूमि को नियमित करने, लॉरी मालिकों के मुठों को हल करने और क्षेत्र में 800 मेगावाट का बिजली संयंत्र स्थापित करने की योजनाओं की घोषणा भी की।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि गोदावरी नदी का एक भी बूंद पानी बिना उपयोग के समुद्र में न बहे।

सनतनगर में राखी मेला प्रदर्शनी का आयोजन, भाजपा नेताओं ने की शिरकत



हैदराबाद, 3 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सनतनगर के लोधा कासा में राखी मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी एवं खूबसूरत राखियां, कला, हस्तशिल्प, और सांस्कृतिक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इस आयोजन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख नेताओं श्रीमती सपना गुप्ता, श्री दयानंद, श्री नरेश, श्रीमती पारुल, और अन्य गणमान्य

व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को प्रोत्साहन देना तथा क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना था।

प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जिनमें हस्तनिर्मित आभूषण, पारंपरिक वस्त्र, घरेलू सजावटी सामान, और खाद्य उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। आयोजन ने स्थानीय समुदाय को एक मंच प्रदान किया।



राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर भी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत रविवार को स्व. सेठ श्री ओमप्रकाश सोमानी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री ओमप्रकाश मनोजकुमार सोमानी परिवार (महेश्वरी प्लाईवुड्स) द्वारा बेगम बाजार गौशाला के समीप माता के मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रोहित भाई, रवि अग्रवाल, रीतेश गुप्ता, नरेश बंसल, विनोद तोशनीवाला, सुनील भाई, जय प्रकाश सोमानी, मनोज कुमार सोमानी, श्याम सुंदर सोमानी, सुशील कुमार सोमानी, अंजू सोमानी, राधिका सोमानी, शेखर सोमानी, प्रियंका सोमानी, श्रुति सोमानी, मधु पेरीवाल, अंकिता राठी, आशीष, रवि एवं अन्य उपस्थित थे।



राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नं. 1265 के समीप जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के -सतीश गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, श्याम सुन्दर अग्रवाल, भगताराम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, महेश गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, मनीष चंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अशोक गुप्ता एस.जे. एवं अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जरूरतमंदों की सेवा की।

पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल का 149वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप सम्पन्न



हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल द्वारा शिव मंदिर केमेट्री, पब्लिक गार्डन के सहयोग से 149वें निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन में किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। किम्स सनशाइन अस्पताल, बेगमपेट के डॉ. शशिधर और डॉ. ध्रुव ने जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजि और हड्डी रोग से संबंधित जांच की। इसके अतिरिक्त, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच और आरबीएस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध थीं।

फिजियोथेरेपी की सेवा डॉ. मीता बजाज (बजाज फिजियो केयर) ने दी, जबकि डॉ. नवनीत राज और डॉ. एस. निखिल राज (एसएनआर डेंटल) ने दांतों की जांच की। इस शिविर का 280

से अधिक रोगियों ने लाभ उठाया। इसे सफल बनाने में नर्सिंग स्टाफ स्वप्ना, मेनक्षी और अथिरा, 2डी इको के गौतम, बीएमडी के मोहन और विपणन विभाग के सहायक प्रबंधक उदय कुमार ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया,

स्थानीय भागीदार शिव मंदिर केमेट्री के कैलाश चंद केडिया, निर्मला देवी, माधवी केडिया, इशिका केडिया, गोविंद कुमार केडिया, मणिलाल शाह, और स्वयंसेवक शीतल अग्रवाल, चंदना पचेरिया, बी शांता देवी, एम रोहिणी देवी, गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव सहित पित्ती इंजीनियरिंग के सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

सनतनगर में कब्रिस्तान की समस्या का शीघ्र समाधान करने का आश्वासन



हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सनतनगर में मुस्लिम समुदाय के कब्रिस्तान की समस्या के समाधान हेतु पूर्व मंत्री एवं

सनाथनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने अपने व्यक्तिगत प्रयास का आश्वासन दिया है। रविवार को सनाथनगर के कई मदरसों के प्रतिनिधि एवं मुस्लिम

धर्म के वरिष्ठ नेताओं ने विधायक श्रीनिवास यादव से वेस्ट मेडपल्ली कार्यालय में मुलाकात की।

मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों ने विधायक को अवगत कराया कि उनके क्षेत्र में कब्रिस्तान न होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वे दूर-दराज के कब्रिस्तानों में शवों को ले जाने के लिए मजबूर हैं।

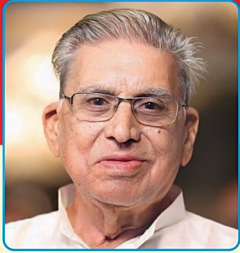
प्रतिनिधियों ने मांग की कि उनके क्षेत्र में, बेगमपेट स्थित पुराने कब्रिस्तान में व्यवस्था कराई जाए।

यदि वहाँ ऐसा संभव न हो, तो ओल्ड कष्टम बस्ती में स्थित कब्रिस्तान में व्यवस्था करने में मदद की जाए।

विधायक श्रीनिवास यादव ने कहा कि वे सनाथनगर में कब्रिस्तान की व्यवस्था के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उचित स्थान उपलब्ध नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि ओल्ड कष्टमवासियों को भी वहाँ से कब्रिस्तान की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा

आज का अल्पाहार

राधे राधे ग्रुप



स्व. श्री कन्हैयालालजी अग्रवाल

(SRI JAGDAMBA SALES, Malakpet Gunj)

की पावन स्मृति में (मासिक पुण्यतिथि)

वितरण स्थल : मेट्रो पिछूर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद रॉयल्स का दूसरा स्थापना समारोह सम्पन्न



हैदराबाद, 3 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद रॉयल्स का दूसरा स्थापना समारोह गोल्फ कोर्स क्लब, टॉलीचौकी, हैदराबाद में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूर्व अध्यक्ष संजय बंसल और पूर्व सचिव संतोषी मेहता ने कार्यक्रम में उपस्थित

गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. एस.वी. राम प्रसाद, सहायक गवर्नर डॉ. हरि संवोत्तम, एआईसीसी के राष्ट्रीय समन्वयक और प्रवक्ता मोहम्मद खलीकुर रहमान, बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता

सोहानी कुमारी, और मिस ग्लोब इंडिया का खिताब जीतने वाली डॉ. ऐश्वर्या पाटपति मौजूद थीं।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद रॉयल्स की नई अध्यक्ष डॉ. अनंशा बंसल, सचिव मयंक खन्ना और निदेशक मंडल की टीम ने समाज की सेवा करने का संकल्प लिया।

आरआई 3150 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. राम प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल का विषय 'यूनाइटेड फॉर गुड' है।

उन्होंने कहा कि मैत्री दिवस के इस शुभ अवसर पर हमें खुशियां बांटने और सभी के लिए अच्छा करने के लिए एक साथ आना चाहिए। सभी विशिष्ट अतिथियों ने भी रोटरी के सिद्धांत 'स्वयं से ऊपर सेवा' के बारे में बात की और समाज में रोटरी के सकारात्मक कार्यों की सराहना की।

मान सम्मान ट्रस्ट ने 18 मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित की



हैदराबाद, 03 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मान सम्मान ट्रस्ट के तत्वावधान में बंडालगुडा, राजेंद्र नगर स्थित गिरधारी अपार्टमेंट में एक छात्रवृत्ति वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका एवं ट्रस्टी पूजा गोयल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया

कि यह समारोह ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव पोद्दार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर के. गंगप्पा, और विशिष्ट अतिथि श्री नागा मोहन मंडा, श्री मनीष अग्रवाल, श्री वेंकट रंगा राव, श्री विजय कृष्ण, श्री चलापथी राव और श्री सत्यनारायण गंगा उपस्थित थे। इन सभी गणमान्य अतिथियों

समर्थन करने और उनके विकास को पोषित करने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर के. गंगप्पा, श्री नागा मोहन मंडा, श्री मनीष अग्रवाल, श्री वेंकट रंगा राव, श्री विजय कृष्ण, श्री चलापथी राव, श्री सत्यनारायण गंगा, और ट्रस्टी पूजा गोयल, राकेश गोयल एवं राजीव पोद्दार मौजूद रहे।

तृतीय पुण्यतिथि



स्व. श्री धर्मचंद जी नायल (सरायवाला)

(सुपुत्र : स्व. श्रीमती गोपीबाई स्व. श्री हजारीमलजी सरायवाला)

स्वर्गवास : गुरुवार, दि. 04.08.2022

आपकी नम्रता और सज्जनाता, आपकी सादगी और सद्ब्यवहार, आपकी यादों को संजोते हुए, भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ...!

--- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता ---

श्रीता नायल (बह), अजय किशोर-रेणु (पुत्र-बह), प्रवेशचंद-श्वेता, अन्नं-प्रीति (पौत्र-बह), हर्षवर्धन (पौत्र), विमला (पुत्री), निर्मला-सतीशचंद्रजी गोयल, (चपल बाजार), उर्मिला-मधुसूदनजी अग्रवाल (बेतुल) (पुत्री-दामद), अनन्दा-सौरभ जी शिन्कोटिया (पौत्री-दामद), सिद्धार्थ-वासुधा (दुबई), आदर्श-पूजा (दुबई), अशोक गोयल एडवोकेट-दीपिका (चपल बाजार, हैदराबाद), CA अंशुल अग्रवाल-नेहा (मुंबई), डॉ. अरिफ अग्रवाल-अं. गरिमा अग्रवाल (बेतुल) (देवता-बह), नीरजा-नीतीश जी मोदी-नायरायणगुडा (देवता-दामद), रेडिका-दर्शन जी अग्रवाल (पडोइली-दामद), साकार कृष्ण नायल (पडोइली), सानवी (पडोइली), हुनर जैन, एकांश आरांश, कृष्णा, आनम शिन्कोटिया (पडोइली), शिवाली, इंदिरा, प्रार्थना (पडोइली)।

फ़ंम : हजारीमल धर्मचंद नायल (सरायवाला) घांसी बाजार, सोमाजीगुडा

प्रतिष्ठान : मोहल ज्वेलर्स, सोमाजीगुडा. फोन : 9393324607, 9848711333

प्रथम पुण्यतिथि



स्व. श्रीमती पार्वती तलरेजा

(धर्मपत्नी : स्व. श्रीचंद कुमार तलरेजा)

स्वर्गवास : दि. 04-08-2024

यादों में केवल आप हो, नयनों में पावन स्वरूप । श्रद्धा सुमन समर्पित मन से, शब्द नहीं अनुरूप ॥

--- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता ---

समस्त तलरेजा परिवार

निवास

5-5-57/8 दारुसलम दालमंडी वेलफेयर सोसायटी, हैदराबाद

॥ विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ॥

एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पारायण

कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, तैमिषधाम धाम, सीतापुर (उ.प्र.)

आज लाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/-

04-08-2025

अतिविशिष्ट राजमान :
श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
निष्काम सेवादायक श्रीमती राधा

विशिष्ट राजमान :
श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
निष्काम सेवादायक श्रीमती राधा

संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर तैमिष धाम

मार्गदर्शक : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर तैमिष धाम

श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संयोजित श्री जगन्नाथ मठ वृद्ध आश्रम, श्री जगन्नाथ मठ नविकुल विद्यालय, श्री जगन्नाथ मठ गो सेवा संस्थान, श्रीमती नागव्यास शरणार्थि सेवा ट्रस्ट, श्री सनाथ मंदिर भैरवपुर गढ़ गौरीगढ़, श्री लक्ष्मी नारायण पत्र संमिति, श्री जगन्नाथ मठ ट्रिस्ट

चरित्र सारदर्शक : अधिका अग्रवाल, नज्जल अग्रवाल, जगदीश प्रसाद लोधा, दीपा कामरा, मेघराज अग्रवाल, चक्रिण रामलाल, हरि भाई चान्द्र, मोहिन राठी, चमल काकाजी, चंदीप्रसाद शर्मा, सुभाषचंद्र देवरा, पुरुषोत्तम लाहोरी, अरुण जोगी, ओम राणी, रूपेश काकरड, विष्णु कर्कर, आशीष शर्मा, विनोद चंन एवं जगन्नाथ मठ परिवार

9963910401 9440061537 9908222206